दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 71 | जयपुर, सोमवार, 19 फरवरी, 2024 | माघ, शुक्ल पक्ष- दशमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

क्रिकेट में भारत ने 434 रन से जीता राजकोट टेस्ट... बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहली बार खिताब पर किया कब्जा

भारत ने रचा इतिहास, टेस्ट मैच में अब तक की सबसे बड़ी जीत

एजेंसी। राजकोट

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला भारत ने 434 रन से जीत लिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। राजकोट में खेले गए मुकाबले की पहली पारी में भारतीय टीम ने 445 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 319 रन बना सकी। भारत को 126 रन की लीड मिली।

दूसरी पारी में भारत ने 430 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और बेन स्टोक्स की टीम को 557 रन का लक्ष्य थमाया। इसका पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 122 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

राजकोट में खेले गए टेस्ट मुकाबले में भारत ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2021 में खेले गए मैच में भारत ने 372 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 337 रन से मुकाबला अपने नाम किया था। 2016 में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 321 रन से मात दी थी। इसके अलावा 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने मोहाली में 320 रन से जीत दर्ज की थी।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की दूसरी बड़ी हार

भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 434 रन से शिकस्त मिली। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम की ये दूसरी सबसे बड़ी हार है। 1934 में ऑस्ट्रेलिया ने 562 रन से इंग्लैंड को हराया था। 1934 में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड की ये अब तक की सबसे बड़ी हार है। इंग्लैंड की तीसरी बड़ी हार वेस्टइंडीज के खिलाफ थी। 1976 में मैनेचेस्टर में खेले गए मुकाबले में इंग्लिश टीम को 425 रन से शिकस्त मिली थी। 1948 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 409 रन से हराया था। वहीं, 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को एक बार फिर 405 रन से हराया। ये इंग्लैंड की पांचवीं सबसे बड़ी हार थी।

महिला टीम ने थाईलैंड को हरा जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारत की बेटियों ने बैडमिंटन कोर्ट पर इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का पहली बार खिताब जीता है। फाइनल में भारत की टक्कर खिताब की मजबूत दावेदार थाईलैंड से थी, लेकिन भारत ने थाईलैंड को 3-2 से हराकर खिताब जीत लिया।

भारत की जीत में 17 साल की वर्ल्ड नंबर 472 अनमोल खरब की अहम भूमिका रही। उन्होंने हाई प्रेशर निर्णायक मुकाबले में विश्व की 45वें नंबर की खिलाड़ी पोर्णपिचा चोइकिवोंग को 21-14, 21-9 से हराकर भारत की झोली में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का खिताब डाला। भारत के लिए ये खिताब इसलिए भी अहम है। क्योंकि भारत की बेटियों ने इस चैंपियनशिप के दौरान चीन, हॉन्गकॉन्ग, जापान और फाइनल में थाईलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराया।

जरूरी खबर

आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने ली समाधि

डोंगरगढ़। दिगंबर मुनि आचार्य विद्या सागर जी महाराज का रविवार को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में अंतिम संस्कार किया गया। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में आधे दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार ने सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए। दिगंबर मुनि आचार्य विद्या सागर जी महाराज ने शनिवार 17 फरवरी को देर रात शरीर त्याग दिया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरि तीर्थ में आचार्य पद का त्याग करने के साथ 3 दिन का उपवास और मौन धारण कर लिया था। उनके शरीर त्यागने की खबर मिलने ही जैन समाज के लोग डोंगरगढ़ में पहुंचे, जहां पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

-पेज 3 भी देखें

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

BJP के राष्ट्रीय अधिवेशन को पीएम ने किया संबोधित

लोकसभा चुनाव से पहले मोदी ने दिया जीत का मंत्र

एजेंसी | नई दिल्ली

■ 'विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बीजेपी की मजबूत वापसी जरूरी'

भाजपा के दो दिन के राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर लाभार्थी तक जाना और कहना कि प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी ने उन्हें प्रणाम कहा है। सब लाभार्थी तक मेरा प्रणाम और मेरी चिट्ठी पहुंचाएं। किसी भी बूथ में एक भी फर्स्ट टाइम वोटर ऐसा ना हो जहां आप न पहुंचे। उन्हें पिछले 10 साल के काम और आने वाले पांच साल में जो काम होना है, उसके बारे में बताएं। पीएम मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण से हम जनता जर्नादन का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। 2024 में हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे और जनसेवा और राष्ट्र सेवा का इतिहास रचेंगे। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को साथ मिलकर काम करना होगा। अगले 100 दिन में हर नए वोटर, लाभार्थी और समाज के सभी वर्ग तक पहुंचना होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि अगले पांच साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इस दौरान बहुत काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा की मजबूती के साथ केंद्र में वापसी आवश्यक है। उनके पास देश को मजबूत करने का लक्ष्य है। यदि वे अपने घर की चिंता करने लगते तो आज देश के करोड़ों गरीबों का घर न बना पाते।

दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने वो काम किए हैं, जिसकी प्रतीक्षा कई सदियों और वर्षों से की जा रही थी। राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज संभव हुआ है। अनुच्छेद 370 के विवादित अंशों की समाप्ति और करतारपुर साहिब के रास्ते खुलवाना ऐसे ही कार्य हैं, लेकिन विपक्ष के पास इतने बड़े कार्य करने की ही नहीं, वादा करने की भी हिम्मत नहीं है। अपने करीब 65 मिनट के भाषण में उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सेनाओं को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ती। वह देश को कमजोर करने में जुटी है। उसके पास देश को आगे ले जाने का विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में भी कुछ लोग उन पर व्यक्तिगत हमले करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन पर हमले करना और झूठे आरोप लगाना कुछ लोगों की आदत बन गई है।

-पेज 8 भी देखें

जेपी नड्डा का कार्यकाल जून तक बढ़ाया

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर प्रस्ताव पास हुआ। इसके मुताबिक पद खाली होने पर पार्लियामेंट्री बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकेगा। इस प्रस्ताव के पास होने के साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून, 2024 तक बढ़ा दिया है। नड्डा जून, 2019 में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। इसके बाद 20 जनवरी, 2020 को पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए। इसके अलावा नड्डा को स्वतंत्र रूप से महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। जिस पर वे बाद में पार्टी के संसदीय बोर्ड से अप्रूवल ले सकते हैं।

हम राजनीति के लिए नहीं, राष्ट्रनीति के लिए निकले हैं

पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि बहुत हो गया कि अब और क्या करना इस पर मैं एक बात बताना चाहता हूं। एक बार एक बहुत बड़े नेता मुझसे मिले। मुझे बोले प्रधानमंत्री बनना काफी बड़ी बात होती है। आप तो पीएम बन गए। लंबे समय तक संगठन में भी काम कर चुके हैं। मुख्यमंत्री भी रहे, दोबारा भी प्रधानमंत्री बन गए, अब कितना काम करेंगे। मैं बताना चाहता हूं कि हम राजनीति के लिए नहीं राष्ट्रनीति के लिए निकले हैं। मोदी ने कहा, हम छत्रपति शिवाजी को मानने वाले लोग हैं। जब छत्रपति शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ तो वह कभी चुप नहीं बैठे। प्रजा के कल्याण के लिए काम किया है। मैं सुख वैभव लेकर जीने वाला लोग नहीं हूं। मैं सुख भोगने के लिए प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहता। मैं राष्ट्र का संकल्प लेकर निकला हूं। हम देश के लोगों के लिए काम करना चाहते हैं।

विपक्ष भी लगा रहा NDA 400 के पार के नारे

पीएम मोदी ने कहा कि आज विपक्ष के नेता भी एनडीए 400 के पार के नारे लगा रहे हैं। एनडीए को 400 का आंकड़ा पार कराने के लिए 370 का आंकड़ा पार करा सकते हैं। मुझे तो लोग कहते हैं कि मोदी जी आपने जो बड़े-बड़े संकल्प लिए वह पूरे कर लिए हैं फिर आप क्यों भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल का बेदाग कार्यकाल और 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना मामूली काम नहीं है। पूरा देश मानता है कि हमने गरीब और मीडियम क्लास के लोगों के जीवन बेहतर बनाया है।

बॉर्डर इलाकों में स्टोर होगा बारिश का जल

हरियाणा राजस्थान को देगा सरप्लस बरसाती पानी

दोनों सरकारों के बीच हुआ समझौता

एजेंसी। दिल्ली/चंडीगढ़

राजस्थान और हरियाणा के बीच बरसाती पानी के सदुपयोग को लेकर एक समझौता हुआ है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में दोनों प्रदेशों के बीच यह समझौता हुआ।

हरियाणा की पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यूजेसी) की क्षमता सरकार ने 18000 से बढ़ाकर 24 हजार क्यूसिक कर दिया है। हरियाणा को अब बढ़े हुए पानी की क्षमता के अनुसार ही पानी मिलेगा। इससे बरसात के मौसम में बरसाती पानी को समुद्र में व्यर्थ बहने से रोककर उसका सदुपयोग किया जा सके। बार्डर एरिया में पाइप लाइन बिछाकर सूखाग्रस्त भिवानी, दादरी व हिसार जैसे जिलों में इसका उपयोग किया जाएगा। इससे न केवल पूरे हरियाणा को फायदा होगा, बल्कि राजस्थान को भी पानी दिया जाएगा।

आज से मौसम में फिर आएगा बदलाव

छह जिलों में आंधी बरसात का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली/ जयपुर

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के साथ ही मौसम में फिर से बदलाव आएगा। आगामी चार दिन पहाड़ों पर लगातार बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश समेत आंधी तूफान और ओलावृष्टि हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस दौरान मैदानी इलाकों में तापमान में बहुत कमी नहीं होगी। वहीं पहाड़ी इलाकों में जबर्दस्त बारिश की आशंका के चलते लोगों को बचाव के बारे में भी ताकीद किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार सोमवार से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदलेगा।

मेघगर्जना के साथ आंधी और बरसात के साथ कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। मौसम केंद्र जयपुर ने अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, चूरू, हनुमानगढ़ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट किया गया है। इन जिलों के अलावा श्रीगंगानगर, नागौर, बीकानेर, टोंक, सीकर, सवाई माधोपुर, करौली, जयपुर और दौसा जिलों के लिए भी येलो अलर्ट है।

किसान आंदोलन का छठा दिन

MSP अध्यादेश पर अड़े अन्नदाता, जयपुर तक पहुंची आंदोलन की आंच

एजेंसी। नई दिल्ली

न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानून बनाए जाने समेत तमाम अन्य मुद्दों को लेकर किसान संगठनों का आंदोलन रविवार को छठे दिन भी जारी रहा। पंजाब हरियाणा से दिल्ली कूच के लिए निकले किसानों को हरियाणा बॉर्डर पर रोक दिया गया है। जहां किसान अगले 6 महीने का राशन-पानी लेकर डेरा डाले हुए हैं।

दिल्ली की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे हजारों किसानों का हरियाणा और पंजाब की सीमा पर जवानों से आमना-सामना हो रहा है। उधर, हरियाणा के साथ ही पंजाब के कई हिस्सों में इंटरनेट पर लगी रोक को 24 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है। इस बीच आंदोलन कर रहे खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत हो गई। भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी से जुड़े मंजीत सिंह कांगथला गांव के रहने वाले थे और किसान आंदोलन में हिस्सा ले रहे थे। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर एक और किसान की जान गई थी। वह गुरदासपुर जिले के रहने वाले थे। उधर, केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच रविवार शाम को चंडीगढ़ में चौथे दौर की बातचीत शुरू हुई। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी बैठक में शामिल हुए। इससे पहले भी किसानों और सरकार के बीच तीन दौर की बैठक हो चुकी है। हालांकि इन बैठकों में सहमति नहीं बन सकी है। इस बीच भारतीय किसान यूनियन ने कहा है कि अगर सरकार के साथ चौथे चरण की बातचीत सफल नहीं रहती है तो सोमवार से फिर आंदोलन शुरू किया जाएगा। दिल्ली के किसानों को आंदोलन से जोड़ने की भी कोशिश शुरू कर दी है। उधर, बीकेयू ने घोषणा की है कि 21 फरवरी को उत्तर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। किसान अपने ट्रैक्टर दिल्ली की ओर जाने वाले राजमार्गों पर पार्क करेंगे।

जयपुर में 21 फरवरी को 500 ट्रैक्टर के साथ जुटेंगे हजारों किसान

दिल्ली की सीमा पर जारी किसान आंदोलन की आंच अब जयपुर तक पहुंच चुकी है। संगठनों ने किसानों से 21 फरवरी को ट्रैक्टर से जयपुर पहुंचने की अपील की है। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर अपनी मांगे बताई है। इन्हीं मांगों को लेकर किसान महापंचायत ने बूंदी में हुई अपनी बैठक में निर्णय लिया है कि 21 जनवरी को किसान 500 ट्रैक्टर के साथ जयपुर पहुंचेंगे और यहां से दिल्ली के लिए कूच करेंगे।

जरूरी खबर

सोलर पर 78 हजार रुपए तक मिलेगी सब्सिडी

बेधड़क. जयपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत मिनिस्ट्री आफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी द्वारा लॉन्च किए गए मोबाइल एप्लीकेशन व पोर्टल के संबंध में अजमेर डिस्कॉम द्वारा 17 सर्किल की वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। प्रबंध निदेशक एन.एस. निर्वाण ने इस योजना के क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उपभोक्ताओं को इस योजना के तहत मिल रही अधिकतम 78 हजार रुपए की सब्सिडी के बारे में जानकारी देकर ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन करें। योजना के तहत 2-3 किलोवाट पर 78 हजार की सब्सिडी दी जाएगी।

चिकित्सकों का दल साइकिलों से अयोध्या रवाना

बेधड़क. जयपुर। जयपुर से चिकित्सकों का एक दल रविवार को साइकिलों से अयोध्या के लिए रवाना हुआ। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा से इस दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। देवनानी ने दल के डॉ. लोकेंद्र शर्मा, डॉ. महेंद्र, डॉ. स्वप्न दास और डॉ. कमलकांत त्रिवेदी का मुंह मीठा करा कर अयोध्या के लिए रवाना किया। इस मौके पर देवनानी ने चिकित्सकों द्वारा तैयार योग एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी किया। यह दल मार्ग में विभिन्न मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालयों में जाकर योग एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर परिचर्चा भी आयोजित करेगा।

पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

बेधड़क.जयपुर। आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर तैयारियां पूरी कर ली है। राहुल गांधी यात्रा निकाल रहे है, इसको जनता का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार संसद में प्रधानमंत्री मोदी से बेरोजगारी, महंगाई पर सवाल कर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री कोई जवाब नहीं दे रहे। राठौड़ रविवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने अजमेर पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए राठौड़ ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा जिन वादों को लेकर सत्ता में आई, वह उन्होंने पूरे नहीं किए हैं। कांग्रेस पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी।

यमुना जल समझौता: भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी, आतिशबाजी कर बांटी मिठाई...

पेयजल-सिंचाई के लिए मिल सकेगा पानी, खत्म होगा संकट

बेधड़क | जयपुर

जिले में पिछले काफी वर्षों से यमुना के पानी की मांग समय-समय पर उठती रही है। अब राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच यमुना जल को लेकर समझौता होने से इस समस्या का स्थाई समाधान हो गया है। इसको लेकर स्थानीय लोगों और किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

वहीं किसानों को भी इससे सिंचाई का पानी मिल सकेगा। रविवार को यमुना जल समझौते को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार किया। इस दौरान आतिशबाजी कर मिठाई बांटी गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह

मिठा कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप से दोनों राज्यों के बीच हुए समझौते के बाद अब झुंझुनूं सहित कई पड़ोसी जिलों में पेयजल और सिंचाई के पानी की समस्या का समाधान हो सकेगा। अब तक सिंचाई के लिए पानी की समस्या से जूझते किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सकेगा। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का स्वागत करते हुए जिले के लिए इस योजना को मील का पत्थर बताया। उनका कहना था कि केंद्र सरकार की नीतियों से देश दिन प्रतिदिन विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। वहीं अब राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनने से विकास को पंख लग रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्षों से अटक रही ईआरसीपी योजना का समाधान कर राजस्थान के किसानों और आमजनता को सौगात दी है। करीब 19 जिलों के लोगों को इसका फायदा मिलेगा।

यमुना जल लाने के नाम पर कांग्रेस ने साठ साल तक ठगा: कमलकांत

भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष कमल कांत शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय गांधी चौक में कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले साठ वर्षों से यमुना का पानी लाने के नाम पर जिलेवासियों को ठगा है। यमुना जल का झांसा देकर कांग्रेस ने सिर्फ राज किया है। वर्षों से अटक रही इस समस्या का समाधान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एव हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर के मध्य हुए समझौते से हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना से राजस्थान के झुंझुनूं सहित कई पड़ोसी जिलों को 577 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी सिंचाई के लिए मिलेगा। भाजपा सरकार की ओर से किसानों को एक अद्भुत उपहार दिया गया है। इससे जिले के किसान समृद्ध एव संपन्न होंगे।

बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस फैसले की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेन्द्र सिह, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर का धन्यवाद जताया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश सहल, नगर महामंत्री मनोज कुंडलवाल, रवि लांबा, नगर उपाध्यक्ष रामनिवास सैनी, चन्द्र प्रकाश शुक्ला, जगदीस गोस्वामी, विकास पुरोहित, संदीप गोयल, सौरभ जोशी, शंभुदयाल नेहरा, श्रवण सैनी, कैलाश पंडित सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सियासी गलियारों में फेरबदल की चर्चा तेज

लोस चुनाव से पहले भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी!

बेधड़क | जयपुर

■ भाजयुमो कार्यकारिणी के नामों पर भी लग सकती है मुहर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में जुटी भाजपा अब संगठनात्मक बदलाव की तैयारी कर रही है। इसमें महामंत्री और उपाध्यक्ष सहित कई पदों पर बदलाव हो सकता है। वहीं, भाजयुमो की पूरी कार्यकारिणी अभी घोषित नहीं हो पाई है। इसके लिए भी पार्टी में मंथन हो चुका है।

सूत्रों का कहना है कि अब तक कार्यकारिणी के नामों पर मुहर लग चुकी होती है, लेकिन दो दिन तक दिल्ली में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन की वजह से अब सोमवार या मंगलवार तक इसकी घोषणा हो सकती है। बीजेपी में कई नए चहेरों को मौक़ा मिल सकता है। वहीं, संगठन में महिला और ओबीसी को प्रमोशन दिया जा सकता है। चूंकि, बीजेपी में भजन लाल शर्मा और दीया कुमारी समेत पांच लोगों को महामंत्री बनाया गया था। अब सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया की जगह एक ओबीसी और एक क्षत्रिय महिला को महामंत्री बनाया जा सकता है। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर भी बदलाव हो सकते हैं। वहीं कई मंत्री भी बदले जा सकते हैं। भाजयुमो की पूरी कार्यकारणी घोषित होगी। इसके साथ कई और बदलाव की बात सामने आ रही है। बीजेपी प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज का कहना है कि यह निर्णय अध्यक्ष सीपी जोशी को लेना है।

इन नामों को लेकर पार्टी में है सुगबुगाहट

भाजपा में अभी पांच महामंत्री हैं। तिजारा से विधायक बाबा बालक नाथ को उपाध्यक्ष से महामंत्री बनाया जा सकता है। दो दिन पहले भाजपा कार्यालय में उनकी मुलाकात प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से हुई थी। वहीं, पार्टी में प्रवक्ता राखी राठौड़ को भी महामंत्री या उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। चूंकि, भाजपा एक महिला महामंत्री को जगह देगी। सूत्रों की मानें तो चुन्नी लाल गरासिया की उपाध्यक्ष की जगह किसी एसटी वर्ग के युवा को जगह मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच को भी महामंत्री बनाया जा सकता है। कुछ नए चेहरों को जगह दी जा सकती है।

अमित शाह राजस्थान में फूकेंगे लोकसभा का चुनावी बिगुल

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा अब अलग-अलग राज्यों में बिगुल फूंकने को तैयार है। इस बीच राजस्थान में भाजपा के मिशन 25 के लिए अमित शाह रणनीति के तहत प्रचार प्रसार का आगाज करने वाले हैं। इसके लिए अमित शाह 20 फरवरी को राजस्थान का दौरा करने वाले हैं। अमित शाह अपनी चुनावी रैली में केवल जनता ही नहीं बल्कि बूथ लेवर से लेकर राज्य स्तर तक के नेताओं में जान फूकेंगे। अमित शाह राजस्थान दौरे के जरिए एक-दो नहीं बल्कि 9 सीटों को साधने की तैयारी की है। उदयपुर दौरे के जरिए उदयपुर, चित्तौड़ और डूंगरपुर सीट को साधेंगे। वहीं, बीकानेर दौरा से बीकानेर, गंगानगर और चूरू लोकसभा सीट को साधेंगे। जबकि जयपुर दौरे के जरिए जयपुर, जयपुर ग्रामीण और दौसा सीट को साधने की तैयारी है।

भाजयुमो की पूरी टीम आएगी सामने

भाजयुमो अध्यक्ष के अलावा अभी भी कोई कार्यकारिणी में नहीं है। सूत्र बता रहे हैं कि चार महामंत्री, सात उपाध्यक्ष, सात मंत्री बनाए जा सकते हैं। इसमें सभी जातियों को साधा जा सकता है। जिसमें प्रमुख रुप से शेखावटी को वरीयता मिल सकती है। पूर्वी राजस्थान से कई चेहरों को मौका दिया जा सकता है। जिसमें महिलाओं और युवाओं को अवसर देने की तैयारी है।

दस दिवसीय जीव जागरण धर्म यात्रा सम्पन्न

शाकाहार व नशामुक्ति का दिया संदेश

बेधड़क | जयपुर

बाबा जयगुरुदेव महाराज के उत्तराधिकारी उज्जैन वाले बाबा उमाकांत महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन से पूरे भारतवर्ष में नशा मुक्ति, शाकाहारी एवं सदाचारी जीव जागरण धर्म यात्रा निकाली जा रही है।

इसी कड़ी में जयपुर संभाग के जिलों में यह यात्रा निकाली गई। बाबा जयगुरुदेव संगत राजस्थान के वैद रामकरण शर्मा ने बताया कि राजस्थान में यह यात्रा 9 फरवरी को जयपुर से आरम्भ हुई थी जो कि दौसा, बांदीकुई, लालसोट, सवाईमाधोपुर, करौली, हिंडौन, सरमथुरा, धौलपुर, रूपबास, भरतपुर, डीग, लक्ष्मणगढ़, मालखेड़ा, अलवर, खैरथल, तिजारा, टपुकड़ा, पावटा, होते हुए

शाहपुरा पहुंचकर संपन्न हुई। यह यात्रा लगभग 2 हजार किलोमीटर की रही। यात्रा में आगे आने वाले खराब समय से बचने के लिए गावों और जिला स्तर पर नुक्कड़ सभा, एवं पर्चे बांटकर लाखों लोगों तक शाकाहारी, सदाचारी व नशा मुक्त रहने का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान हजारों लोगों ने शाकाहारी और नशा मुक्त रहने का संकल्प लिया। बाबा जयगुरुदेव संगत शाहपुरा के जगदीश सैनी, बंशीधर जाट ने बताया कि रविवार को 10 दिवसीय यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी लोग शाहपुरा पहुंचे। यात्रा में शामिल हुए सैकड़ों की संख्या में गाड़ियों का स्वागत किया गया। समापन के बाद संगत ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

शुरू होगा सर्टिफिकेशन कार्यक्रम

लोस चुनाव: एआरओ का प्रशिक्षण आज से

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन विभाग ने भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत सोमवार से सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए राज्य के सभी संसदीय क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का 19 से 23 फरवरी तक प्रथम चरण का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा। द्वितीय चरण का कार्यक्रम 26 फरवरी से 1 मार्च के बीच होगा। इस तरह दो चरणों में राज्य के सभी 200 सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया जाएगा।

ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच संपन्न

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेशभर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य संपन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव के लिए ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच जरूरी है। यह कार्य मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों की उपस्थिति में किया गया।

खबरो में बेधड़क खबर

आधी रात को पीटर पहुंच गए गामा के घर

राजधानी में तैनात गामा साहब के थाने से गायब हो जाने और जाम छलकाने की शिकायतों का एमआई रोड़ पर बैठने वाले बड़े साहब ने डिकॉय कर दिया। दरअसल गामा की शिकायतों का साहब के पास ढ़ेर लग रहा था। साहब की चेतावनी के बाद भी गामा ने अनसुनी की तो साहब ने एक पीटर को गामा के घर पर भेजकर उसका मेडिकल कराने के आदेश दिए। आदेश पर आधी रात को पीटर साहब गामा के घर पर तो पहुंच गए, लेकिन गामा ने फटकार कर घर का गेट खोलने से इंकार कर दिया। ऐसे में पीटर साहब को बिना मेडिकल के उलटे पांव लौटना पड़ा। यह मामला खाकी में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि बड़े साहब के रडार पर कई गामा हैं।

बिना फेयरवेल के ब्रेवो आउट

खाकी में तैनात एक ब्रेवो साहब की कार्यशैली पदस्थापन से कठघरे में रही है। साहब के भू-करोबारियों से रिश्ते मजबूत रहते हैं और अपने मातहतों से तालमेल बिगाड़ लेते है। अधीनस्थ कार्मिक उनके अनुसार फाइलों में निर्णय नहीं करते है तो साहब उनको प्रताड़ित तो करते ही साथ ही उच्चाधिकारियों के सामने उनकी ऐसी क्राइम स्टोरी बना देते है, जिसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। ब्रेवो की कार्यशैली से उनके अधीनस्थ इतने प्रताड़ित थे कि उनका फेयरवेल तो दूर चिटिंग के लिए बधाई देने भी नहीं पहुंचे। बिना फेयरवेल के ब्रेवो को ऑफिस से आउट करना खाकी में चर्चा का विषय बना हुआ है। चर्चा है कि अब अधीनस्थों को प्रताड़ना से राहत मिली है।

शिकायत इतनी गंभीर की खाकी असमंजस में

लॉयन के खिलाफ हुई एक गंभीर शिकायत की जांच में खाकी के अफसर असमंजस में पड़ गए हैं। शिकायत की प्रति लालकोठी और घाटगेट तक चक्कर लगा रही है, लेकिन जांच करने की कोई जहमत नहीं उठा रहा है। शिकायत लालकोठी वाले सात मंजिला भवन में हुई थी। शिकायत की पांचवे माले पर जांच होने के बजाए उसको घाटगेट भेज दिया गया। अब शिकायत की प्रति वापस कुछ दिनों पहले वापस लालकोठी आ गई है। शिकायत एक गैंगस्टर से जुड़ी हुई है। चर्चा है कि अगर शिकायत की जांच निष्पक्ष होगी तो लॉयन के खिलाफ कार्रवाई होना तय है।

ब्रेवो को धमकाना पड़ेगा महंगा

ख्वाजा की नगरी में पोस्टिंग के दौरान एक ब्रेवो को सिक्योरिटी में लगे अफसर को धमकाना महंगा पड़ गया। ब्रेवो की आचरण जांच में गलत माना है। इस मामले में प्रदेश के खाकी के मुखिया ने ब्रेवो को चेतावनी देने के लिए लिख दिया। चर्चा है कि एक सभा में ब्रेवो ने सिक्योरिटी में लगे इंटेलीजेंस के अफसर के साथ गलत व्यवहार करके अनुचित आदेश दिए थे। इस मामले में अफसर ने लालकोठी वाले सात मंजिला भवन में बैठने वाले ने शिकायत की थी। शिकायत की जांच लॉयन साहब ने कर दी और उनको जल्द ही चेतावनी दी जाएगी।

- ओमप्रकाश शर्मा, विशेष संवाददाता

आईटी वॉयस एक्सपो 2024 के समापन पर देवनानी ने कहा

राजस्थान को बनाएं अपना कर्म क्षेत्र, राज्य सरकार करेगी हर संभव मदद

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सूचना तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों से आह्वान किया है कि वे राजस्थान को अपना कर्म क्षेत्र बनाएं। इसमें राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजस्थान में आकर अपने कार्यों को विस्तार दें और अपनी जन्मभूमि से जुड़ें।

देवनानी रविवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आईटी वॉइस एक्सपो में आईटी एक्सपर्ट्स को राजस्थान रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। देवनानी ने कहा

कि राजस्थान के प्रवासी लोगों को एक जगह लाने का प्रयास अनुकरणीय है। प्रवासी राजस्थानी के दिल में राजस्थान बसता है। उन्होंने कहा भारत आईटी में निरंतर प्रगति कर रहा है। देश जल्दी ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विकसित राष्ट्र की संकल्पना में हम सभी को भागीदार बनना है। दृढ़ नीति और इच्छा से सब कुछ संभव है। हम मेहनत करके सब कुछ बदल सकते हैं, भारत को आगे बढ़ा सकते हैं। देवनानी ने साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए शोध किए जाने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आईटी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार से जो भी मदद आपको चाहिए वह पूरी मिलेगी। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों के आईटी एक्सपर्ट मौजूद थे। समारोह को राजीव कपूर, पी. एम. भारद्वाज, डीपी शर्मा और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने भी संबोधित किया।

इन्हें किया राजस्थान रत्न से सम्मानित

समारोह में आईटी के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाली हस्तियों को राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से राजस्थान रत्न-भारत पुरस्कार दिया गया। इनमें भरत गोयनका टैली, चंद्र प्रकाश गुरनानी पूर्व-मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेक महिंद्रा, मनु अग्रवाल नापटोल, अतुल गौड़ सेवेक्स, संदीप दोशी जेब्रोनिक्स, विष्णु कुमार भंडारी सुपरट्रेन, सुरेश पंसारी राशि पेरिफेरल, अनुज बैराठी साइबर फ्यूचरिस्टिक, अजय डाटा डाटा ग्रुप, सुशील शर्मा मारवाड़ी कैटलिस्ट, सुरेन्द्र कुमार सुराना कॉम्प्यूकॉम, मुनीश जादौन ज़नेट, राजीव गुप्ता कॉम्प्यूटेक्स, अनिल अग्रवाल नव बैक, अनिरुद्ध काला सेलेलबेल, बाहुल शर्मा डॉट स्क्वेयर, अखिलेश शर्मा ए-3 लॉजिक, अश्वनी शर्मा पूर्व एमडी राजकंप, बालेन्दु शर्मा दाधीच माईक्रोसोफ्ट, दुर्गा प्रसाद शर्मा यूएन डिप्लोमेट, अक्षय हाडा सिंफोनिया, अनुपम शास्त्री वनस्थली, पवन गोदारा डॉगमा सॉफ्ट, पंकज संचेती कॉमप्रिंट, प्रकाश मोहन भारद्वाज पूर्व एमडी रीएल शामिल है।

एक्सपों में ये हस्तियां हुईं शामिल

तीन दिवसीय एक्सपों में विभिन्न सेशन हुए। इस दौरान कई शिक्षाविद् और आईटी एक्सपर्ट शामिल मौजूद रहे। इनमें मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रेसिडेंट रह चुके डॉ. संदीप संचेती, भारत सरकार के उपक्रम नीलेट के डायरेक्टर जनरल रहे डॉ. अश्वनी शर्मा, जेसीआरसी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. विक्टर गंभीर, अध्यक्ष एसकेआईटी चैयरमेन सुरजाराम मील, कुलपति जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी डॉ. आर. एल. रैना, डॉ. आनंद पोद्दार चेयरमैन पोद्दार ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, डॉ. मनोज गुप्ता प्रो. प्रेसिडेंट पूर्णिमा यूनिवर्सिटी प्रो. त्रिलोक जैन डायरेक्टर सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, डॉ. अनुभा जैन डायरेक्टर आईटी आईआईएस यूनिवर्सिटी जयपुर, डॉ. सुनील शर्मा मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, डॉ. अजय डाटा अध्यक्ष डाटा इंफोसिस, कमोडोर कमलेश कुमार सीएमडी हिंदुस्तान साल्ट एवं सांभर साल्ट लिमिटेड, गुंजन सक्सेना पीजीएम बीएसएनल गुजरात, नवीन शर्मा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ग्रैविटा इंटरनेशनल, डॉ. विजयवर्गीय डायरेक्टर जीनस इंफ्रास्ट्रक्चर, सुनील नारनोलिया क्रैडेंट टीवी आदि शामिल है।

जरूरी खबर

घर में घुसकर मारपीट, नव दंपती का अपहरण

जयपुर। राजधानी में नव विवाहिता दंपती को किडनैप करने का मामला सामने आया है। किडनैपर्स ने घर में घुसकर दोनों से मारपीट की और घसीटते हुए गाड़ी में पटक कर ले गए। किडनैप युवक के भाई ने हरमाड़ा थाने में मामला दर्ज करवाया है। एएसआई हरिसिंह ने बताया कि गंगापुर सिटी निवासी महेन्द्र सैनी ने रिपोर्ट में बताया कि 19 दिसंबर 2023 को उसके छोटे भाई रिंकू ने आर्य समाज में शादी की थी। शादी के बाद से पिछले 2 महीने से पति-पत्नी दौलतपुरा रोड स्थित ज्ञानजी के फर्म के पास किराए से रह रहे थे। 16 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे नव विवाहित दंपती घर पर थे। कार में आए 3 आदमी और एक औरत जबरन घर में घुस गए। चारों ने पति-पत्नी से मारपीट की और गाड़ी में डालकर ले गए।

नाबालिग छात्रा से पुलिस क्वार्टर में किया रेप

जयपुर। राजधानी में एक नाबालिग स्कूली छात्रा से युवक और उसके पुलिस कॉन्स्टेबल जीजा द्वारा पुलिस क्वार्टर में रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने नाबालिग छात्रा से दोस्ती कर मिलने के बहाने बुलाया और अपने जीजा के क्वार्टर पर लेकर पहुंचा था, जहां दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के प्रेग्नेंट होने पर परिजनों को इसके बारे में पता चला। नाबालिग पीड़िता ने आरोपी और उसके पुलिसकर्मी जीजा के खिलाफ गांधी नगर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर आरोपी पवन कुमार (24) निवासी बानसूर, कोटपूतली को अरेस्ट कर लिया है। एसीपी (गांधी नगर) संदीप सारस्वत का कहना है कि मामले में मुख्य आरोपी पवन कुमार को अरेस्ट कर लिया गया है।

जीवन प्रबंधन व्याख्यानमाला का शुभारंभ, स्वामी गोविंददेव ने कहा-

वस्तु प्राप्त करना जीवन नहीं, उसका मूल्यांकन करना जरूरी

बेधड़क | जयपुर

'मानव शरीर सृष्टि का सबसे अनमोल उपहार है। प्रत्येक मनुष्य को यह मालूम होना चाहिए कि शरीर का कैसे उपयोग करना है। वस्तु को प्राप्त करना जीवन नहीं, उसका मूल्यांकन करना जरूरी है।' यह बात महाराणा प्रताप सभागार में 'जीवन प्रबंधन' पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला में अयोध्या राममंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कही। व्याख्यान में स्वामी गिरि ने जीवन की महत्वता को समझाया। उन्होंने बताया कि आत्मचिंतन करना मनुष्य के लिए जरूरी है। मालूम होने पर भी कुछ बातों को बार-बार बोली जानी चाहिए, जिससे अच्छी बातों का पुनः स्मरण हो ताकि उस ज्ञान में नवीनीकरण आएं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी साहित्य में सबसे ज्यादा प्रबंधन, आत्मविकास, मानवीय संबंध और नेतृत्व पर लिखा गया है, लेकिन भारत के वेद ग्रंथों से सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन कही नहीं है। विज्ञान के बढ़ने के साथ ही सनातन की प्रमाणिकता भी मजबूत हो रही है। वैदिक जीवनशैली विश्व की सर्वश्रेष्ठ शैली है। जीवन प्रबंधन यह है कि सौ वर्ष तक स्वस्थ रहकर जीवन जीना। इसी के साथ आयुर्वेद का महत्व बताया

कि शरीर को कैसे स्वस्थ रखना है सारे सूत्र वेद ग्रंथों में लिखे हुए है। कार्यक्रम में मीनाक्षी झंवर और संजय झंवर ने स्वामी का स्वागत किया। संदीप झंवर ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। अमृतलाल माहेश्वरी, विजय मोहन राठी, विनोद कालानी, महेश बजाज ने स्वामी का स्वागत किया।

अवैध नल कनेक्शनों पर एक मार्च से जलदाय विभाग करेगा सख्ती

'पानी चोरों' को 28 तक का समय नहीं माने तो दर्ज होगी एफआईआर

बेधड़क | जयपुर

अगर आपने पानी के लिए अवैध नल कनेक्शन ले रखा है तो इसका 28 फरवरी तक रेगुलराइजेशन करवा लीजिए। ऐसा नहीं करने पर एक मार्च से ऐसे कनेक्शन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर भी दर्ज करवाई जाएगी।

गौरतलब है कि जलदाय विभाग की राइजिंग व वितरण पाइपलाइनों में लाखों अवैध जल नल कनेक्शन के कारण वैध व बिल देने वाले उपभोक्ताओं के घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। इन अवैध कनेक्शनों के कारण विभाग को भी डिमांड व सप्लाई की सही जानकारी नहीं लग पा रही है। इससे हर साल गर्मियों में विभाग के इंजीनियरों को जन आंदोलन का शिकार होना पड़ता है। इसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

अवैध पानी कनेक्शन से यह नुकसान

अवैध पानी के कनेक्शन से गर्मियों की प्लानिंग नहीं हो पाती। जलदाय विभाग को क्षेत्र की वास्तविक पेयजल डिमांड की जानकारी नहीं लग पाती है। इससे गर्मियों की प्लानिंग नहीं होने से पेयजल संकट रहता है। अवैध कनेक्शन में लीकेज के कारण दूषित पानी की सप्लाई होती है। इससे क्षेत्र में कई बार बड़ी संख्या में उल्टी-दस्त व पीलिया का रोग फैलता है। विभाग को राजस्व की हानि होती है और सप्लाई हो रहे पानी की बिलिंग नहीं हो पाती है। बिल भरने वाले उपभोक्ताओं को पेयजल संकट झेलना पड़ता है।

कई डिविजन में कार्रवाई शुरू

कई डिविजन ने अवैध कनेक्शन को चिह्नित कर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पिछले सप्ताह में उदयपुर के भुवाणा स्थित हाइराइज बिल्डिंग में अवैध कनेक्शन मामले में विभाग ने आर्ची पैराडाइज रेजीडेंशियल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। अब प्रदेश भर में ग्रुप हाउसिंग व हाइराइज बिल्डिंग में पेयजल सप्लाई की जांच की जा रही है। अवैध कनेक्शन पाए जाने पर जिम्मेदार इंजीनियरों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

विरोध हुआ तो पुलिस को लेंगे साथ

विभाग की टीमें मार्च में अवैध जल कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई करेगी। विभागीय के 31 मार्च 2017 के आदेश के अनुसार पेनल्टी लगाते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी के साथ ऐसे व्यक्तियों व संस्थाओं के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने के एक्ट में कार्रवाई की जाएगी। अवैध कनेक्शन हटाने के दौरान विरोध होने पर पुलिस सहायता ली जाएगी।

पांच गुना पेनल्टी का प्रावधान

अवैध कनेक्शन धारक के खिलाफ पीडीसी एक्ट 1984 सेक्शन 3, सब सेक्शन 2 व आईपीसी की धारा 379 न 430 के तहत एफआईआर भी दर्ज होगी। अवैध कनेक्शन पाए जाने पर 1210 रुपए का एकमुश्त शुल्क पेनल्टी और 30 किलोलीटर प्रतिमाह जल उपभोग के हिसाब से कम से कम एक साल के कुल पानी उपभोग शुल्क की पांच गुना पेनल्टी वसूली का प्रावधान है।

देवनानी ने दिखाई झंडी

चिकित्सकों का दल साइकिलों पर अयोध्या रवाना

बेधड़क| जयपुर

चिकित्सकों का एक दल रविवार को साइकिलों से अयोध्या के लिए रवाना हुआ। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा से इस दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व उन्होंने दल के डॉक्टर लोकेंद्र शर्मा, डॉक्टर महेंद्र ,डॉक्टर स्वप्न दास और डॉक्टर कमलकांत त्रिवेदी का मुंह मीठा कराया। देवनानी ने इस मौके पर चिकित्सकों द्वारा तैयार योग एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी किया। चिकित्सकों ने बताया कि यह दल मार्ग में विभिन्न मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालयों में जाकर योग एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर परिचर्चा भी करेगा। इस मौके पर हरि शंकर, रवि वर्मा, डॉ. दिनेश शर्मा और डॉ. सुनील भी मौजूद थे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

भांकरोटा में टैंक के लॉक तोड़कर की चोरी

खड़े ट्रेलरों से चुराया 830 लीटर डीजल

बेधड़क | जयपुर

भांकरोटा इलाके में तीन खड़े ट्रेलर से बदमाशों द्वारा 830 लीटर डीजल चुरा ले जाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने तीनों ट्रेलर के टैंक के लॉक तोड़कर डीजल चुराया और चोरी किया डीजल लोडिंग गाड़ी में लोड कर भाग निकले। भांकरोटा थाना पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

हेड कॉन्स्टेबल सोहनलाल ने बताया कि भरतसिंह गांव पीपला निवासी मोरध्वज ने रिपोर्ट दर्ज

करवाई है। उसने बताया कि रिंग रोड के पास जयपुर वेयर हाउस के पीछे उनका ऑफिस है। 17 फरवरी की रात को ऑफिस के सामने सड़क किनारे 3 ट्रेलर खड़े किए गए थे। देर रात चोरों ने तीनों ट्रेलरों को निशाना बनाया और ट्रेलरों के टैंक के लॉक तोड़ डाले। मोरध्वज ने बताया कि बदमाशों ने तीनों ट्रेलरों में ड्रम लगाकर 280 लीटर, 300 लीटर और 250 लीटर डीजल चोरी कर लिया और चोरी किया 830 लीटर डीजल लोडिंग वाहन में लोड कर बदमाश फरार हो गए। डीजल चोरी का पता चलने पर भांकरोटा थाना पुलिस को सूचना दी। चोरी हुए डीजल की कीमत करीब 78 हजार रुपए है। पुलिस वारदात स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाल रही है।

प्रदेश में 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी, आज आंधी बरसात की आशंका

राजधानी में सर्दी पड़ी नरम तो गर्मी हुई मुखर

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में सर्दी कम होने के साथ ही अब गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। मौसम का यह मिजाज और पलटने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार अब आंधी-बारिश और ओले गिरने का दौर शुरू होगा। सोमवार से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी चल सकती है। मेघगर्जना के साथ कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं और बिजली गिरने की भी आशंका है। उत्तरी भारत में बना सिस्टम और ताकतवर हो गया है, इसलिए मौसम केंद्र जयपुर ने

अगले 2 दिन (19-20 फरवरी) के लिए 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, चूरू, हनुमानगढ़ जिलों के लिए मौसम विशेषज्ञों ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए यहां के किसानों को फसलों का बचाव जल्द करने के लिए कहा है। इन जिलों के अलावा गंगानगर, नागौर, बीकानेर, टोंक, सीकर, सवाई माधोपुर, करौली, जयपुर और दौसा जिलों के लिए भी येलो अलर्ट है। राजस्थान में अब सर्दी कम होने लगी है। बाड़मेर, फलोदी में दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। माउंट आबू को छोड़ दें तो सभी शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। जयपुर में भी अधिकतम तापमान 1 डिग्री बढ़कर 28.8 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से उत्तर से आने वाली हवा रुक गई। इससे राजस्थान के अधिकतर शहरों में रात का तापमान बढ़ गया और सर्दी कम हो गई। गंगानगर, चूरू, बीकानेर, बाड़मेर, करौली, फतेहपुर, सिरोही, बारां, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, सीकर, पिलानी, जयपुर, अलवर और अजमेर में न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज हुई।

प्रदेश में शोक की लहर

राष्ट्र संत आचार्य विद्यासागर महाराज ने ली यमसल्लेखना पूर्वक समाधि

बेधड़क | जयपुर

आचार्य विद्यासागर महाराज रविवार को यमसल्लेखना पूर्वक समाधि को प्राप्त हो गए। आचार्य के ब्रह्म में लीन होने की जानकारी मिलते ही देश विदेश के समग्र जैन समाज में शोक की लहर फैल गई। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री ने विधिवत सल्लेखना पूर्वक 3 दिन का उपवास ग्रहण कर अखण्ड मौन धारण कर लिया था।

उन्होंने बताया कि पूर्ण जागृत अवस्था में आचार्य पद त्याग कर प्रथम मुनि शिष्य निर्यापक श्रमण समय सागर महाराज को आचार्य पद देने की घोषणा कर दी थी। आहार व संघ का प्रत्याख्यान कर

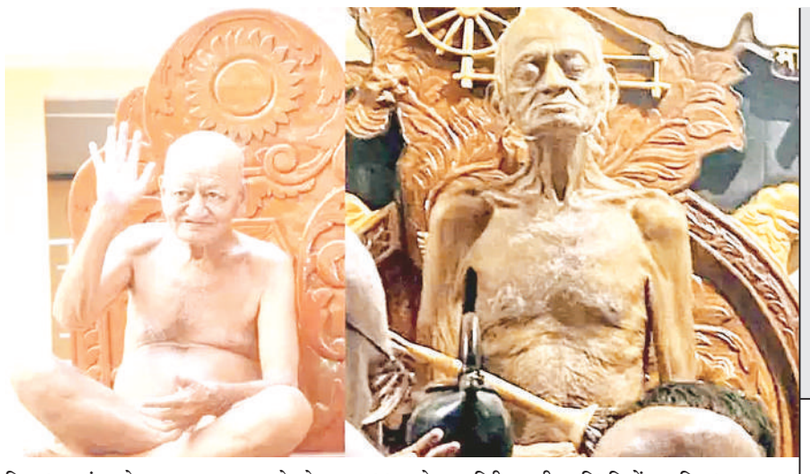

दिया था। संघ को प्रत्याख्यान व प्रायश्चित देना बन्द कर दिया था। जैन के मुताबिक रविवार को दोपहर 1.00 बजे चन्द्रगिरी तीर्थ पर डोला (अंतिम यात्रा) निकाला गया। लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में समाधि स्थल पर विधि विधान के साथ पंचतत्व में विलीन किया गया।

आचार्य के जीवन दर्शन को याद कर दी श्रद्धांजलि

जैन समाज के प्रबुद्धजनों और राजनेताओं ने उनके जीवन दर्शन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि पूज्य आचार्य भगवंत तप, ज्ञान, संयम, आराधना और करुणा की प्रतिमूर्ति थे। उनके आदर्श व विचार सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। जनकपुरी, ज्योति नगर जैन मंदिर प्रबंध समिति के पदम जैन बिलाला ने आचार्य की सेवा में बिताए वक्त को याद करते हुए बताया कि 23 वर्षीय युवा तेजस्वी विद्वान मुनि विद्या सागर ने दीक्षा गुरु आचार्य ज्ञान सागर महाराज के साथ जयपुर जिले का एक मात्र चातुर्मास किशनगढ़ रेनवाल में 1970 में किया था। उस वक्त हम 18 वर्ष के कॉलेज के छात्र थे, तब इनकी गुरु भक्ति व चर्या से खींचे हुए इनका सानिध्य प्राप्त कर चार माह में साधु सेवा करते हुए हमने इनसे धर्म का क ख ग सीखा था। आज वे भले ही हमारे मध्य न हों किन्तु उनका सम्पूर्ण जीवन दर्शन हमारे समक्ष है। उस पथ के अनुगामी बनें, यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

समाज के लोगों ने प्रतिष्ठान रखे बंद

आचार्य के समाधि के समाचार सुनकर जयपुर के जैन प्रतिष्ठान बंद रहे। इस कड़ी में जौहरी बाजार, इंदिरा बाजार, मानसरोवर सहित शहर के कई इलाकों में जैन समाज के लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बिजली व्यापार संघ के सचिव सुनील गंगवाल ने बताया मानसरोवर और सांगानेर सहित शहर के अन्य इलाकों में भी समाज के लोगों ने दुकान बंद रखी।

कर्नाटक के सदलगा ग्राम में हुआ था आचार्य का जन्म

विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य का जन्म शरद पूर्णिमा 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के जिला बेलगांव के सदलगा ग्राम में हुआ था। उनका बचपन का नाम विद्याधर था। उनके पिता मलप्पा जैन (अष्टगे) तथा माता श्रीमन्ति थी। उन्होंने लौकिक शिक्षा 9वीं कक्षा तक कन्नड माध्यम से प्राप्त की थी। उन्होंने 27 जुलाई 1966 को गृह त्याग दिया था। वे हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी, संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश में पारंगत थे। उन्होंने 323 से अधिक दीक्षाएं प्रदान की।

जरूरी खबर

लोगों ने मनचले की धुनाई के बाद पुलिस को सौंपा

कुचामनसिटी। डीडवाना शहर के कुचामन रोड़ स्थित प्रजापत भवन के सामने रविवार को एक मनचला युवक सड़क पर पैदल जा रही लड़कियों और महिलाओं के सामने खुद का नंबर लिखी हुई पर्चियां फेंक रहा था। इसी दौरान प्रजापत भवन के आस-पास रहने वाले लोगो ने मनचले युवक की हरकत देखकर उसे पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस मनचले को लोगों के चंगुल से छुड़ाकर डीडवाना थाने लेकर आई। संगीता (बदला हुआ नाम) ने बताया कि कुछ लड़के स्कूल-कॉलेज जाते समय लड़कियों को छेड़ते हैं और पर्ची पर मोबाइल नंबर लिखकर उनके पास फेंक देते हैं।

ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौके ही थमी सांसें

जैसलमेर। जिले के जैसलमेर-जेठवाई सड़क मार्ग पर ट्रक ने एक बाइक सवार को रौंद दिया। इसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सदर थानाधिकारी प्रेमाराम ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि जैसलमेर-जेठवाई मार्ग पर पीले पत्थरों से भरे ट्रक ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। इसके चलते बाइक से जेठवाई गांव जा रहे सुमार खां पुत्र दाऊ खां निवासी जिला सम जैसलमेर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे की सूचना मृतक के परिवार को दी। वहीं चालक मौके पर ट्रक को छोड़कर फरार हो गया।

खुशी के बीच गम: दूल्हे के भाई की करंट से मौत

कोटा। जिले के रामगंजमंडी क्षेत्र के सातलखेड़ी में करंट की चपेट में आने से दूल्हे के भाई की मौत होने से शादी के घर में मातम पसर गया। घटना के दौरान बारात निकलने की तैयारी चल रही थी। सुकेत थाना के हेड कांस्टेबल सुभाष कुमार ने बताया कि घटना सातलखेड़ी के वार्ड-16 के खान इलाके के चारणा मोहल्ले की है। रविवार को दोपहर 12 बजे सतवीर सिंह (35) पुत्र रामकरण बैरवा करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई रवि कुमार की बारात निकलने वाली थी, तभी ये हादसा हो गया।

बीकानेर का पुष्करणा समाज वर्षों से निभा रहा रिवाज, दुल्हन की तरह सजा पूरा शहर

सामूहिक विवाह सम्मेलन में गणेश परिक्रमा की अनूठी परंपरा

बेधड़क | बीकानेर

प्रति दो वर्ष बाद होता है यह आयोजन, देशभर से आते हैं समाजबंधु

वर्तमान में लगभग प्रत्येक समाज में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होना यूं तो आम बात हो गई। वहीं बीकानेर के पुष्करणा समाज में सामूहिक विवाह की परंपरा प्राचीन है।

इस विवाह सम्मेलन की खास बात यह भी है कि इसमें गणेश परिक्रमा की अनूठी रस्म समाज सदियों से निभात आ रहा है। प्रति वर्ष बाद यह आयोजन होता है, जिसमें विवाह योग्य युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह कराया जाता है। रविवार को भी समाज के विवाह सम्मेलन में

सैंकड़ों युवक-युवतियों ने जीवन राह पर साथ चलने के लिए एक-दूजे का हाथ थामा। इस विवाह सम्मेलन से शहर में भी उत्सवी माहौल रहा। विवाह आयोजन से पूर्व शनिवार को शहर में वर-वधु पक्ष की ओर से गणेश परिक्रमा धूमधाम से निकाली गई। देर रात तक गणेश परिक्रमा निकालने का सिलसिला जारी रहा।

सामूहिक विवाह के दौरान पुष्करणा समाज में गणेश परिक्रमा निकालने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

इसमें वेदमंत्रों के साथ दूल्हा-दुल्हन की अलग-अलग गणेश परिक्रमा निकाली जाती है। पहले कन्या पक्ष से इसके बाद दूल्हे के घर से परिक्रमा निकाली जाती है, जो दुल्हन के घर तक जाती है। शहर में शनिवार को देर रात तक गणेश परिक्रमा की धूम रही।

परंपरा प्राचीन, समय-समय पर हुए कई बदलाव

पुष्करणा समाज के लोगों का कहना है कि समाज में सामूहिक विवाह समारोह की यह परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है। इसमें समय-समय पर कई बदलाव भी हुए हैं। इस समारोह में भागीदारी करने के लिए सैकड़ों परिवार कोलकाता, मुंबई, दिल्ली, चेन्नई सहित अन्य महानगरों से यहां आते हैं। सभी लोग इस विवाह समारोह को एक उत्सव के रूप में मनाते हैं। वेदमंत्रों की स्वर ध्वनी के बीच गणेश परिक्रमा जहां-जहां से भी गुजरी वहां का माहौल उत्सवी रंग में रंग गया। गणेश परिक्रमा के लिए शहर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया।

सैंकड़ों जोड़े बने जीवन राह के हमसफर

बीकानेर के पुष्करणा समाज के सामूहिक विवाह आयोजन की शहर के हर गली-मोहल्ले में धूम रही। पूरे शहर में देर रात तक मांगलिक कार्यों की चहल-पहल रही। सामूहिक विवाह में रविवार को सैंकड़ों जोड़े जीवनराह के हमसफर बने। इससे पहले सुबह से मायरा और खिरोड़ा की परंपरा निभाई भी निभाई गई। शाम ढलने से पहले बारातें निकलनी शुरू हो गई। इस दौरान सबसे पहले निकलने वाले खिड़किया पाग पहने विष्णु रूपी दूल्हे को सम्मानित किया गया।

सुरक्षित होगा सफर: एडीए ने दी वित्तीय मंजूरी, टेंडर प्रकिया शुरू

सुगम होगी राह, 7.5 करोड़ की लागत से होगा सड़कों का निर्माण

बेधड़क | अजमेर

शहर में क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण लोगों को हो रही परेशानी जल्द ही दूर हो जाएगी। इसके लिए अजमेर विकास प्राधिकरण की ओर से उत्तर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए की लागत से सड़क और नाला निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी।

प्राधिकरण ने इन क्षेत्रों का सर्वे कर कामों को मंजूरी दी और टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सड़क और जल भराव की समस्याएं सामने आने और आमजन की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर विकास प्राधिकरण को इनके निराकरण के निर्देश दिए थे। देवनानी ने बताया कि अजमेर के मित्तल हास्पिटल से बी.के. कॉल नगर फायसागर लिंक रोड तक 7.5 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कराया जाएगा। इस सड़क को 6 लेन बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस सड़क के विस्तार से वाहनों का आवागमन सुगम हो सकेगा। वहीं यातायात जाम से भी निजात मिल सकेगी।

जिन इलाकों में जलभराव ज्यादा वहां बनेगी सीसी सड़क

जानकारी के अनुसार जहां-जहां बारिश के दौरान पानी भरता है वहां सीसी सडक का निर्माण किया जाना है। शेष डामर सडक का निर्माण होगा। वहीं डिवाइडर को ऊंचा उठाया जाएगा। सड़क के दोनों और इन्टर लॉकिंग फुटपाथ तैयार किया जाएगा। स्टीफन चौराहे से झलकारी बाई स्मारक होते हुए ग्राम लोहागल तक सड़क निर्माण कार्य 2.49 करोड रुपए की लागत से होगा। स्टीफन चौराहे से झलकारी बाई स्मारक तक जहां-जहां बारिश के दौरान पानी भरता है, वहां सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। झलकारी बाई स्मारक से लोहागल ग्राम तक डामर सड़क निर्माण कार्य होगा।

एक करोड़ से होगी सड़कों का मरम्मत एवं पेचवर्क

अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त सड़को का पेचवर्क एवं मरम्मत कार्य 1 करोड़ लागत से होगा।

इसी तरह जल भराव एवं ड्रेनेज की समस्या के निराकरण के लिए नालों का भी निर्माण कराया जाएगा। इसके तहत वार्ड 63 में खुर्रे वाली गली से लक्ष्मी यादव के मकान तक और सर्वेश्वर नगर की पुलिया तक नाला निर्माण एवं मरम्मत कार्य 1.09 करोड की लागत से होगा। इसी प्रकार कीर्तिनगर से श्रीजी विहार बांडी नदी की पुलिया तक नाला निर्माण कार्य 1.67 करोड की लागत से होगा।

यहां होगा सड़क एवं नाला निर्माण

ऐसे ही कोटडा से विनायक विहार, हरीभाऊ उपाध्याय नगर होते हुए बांडी नदी तक नाला निर्माण एवं मरम्मत कार्य लागत राशि 1.5 करोड रुपए से होगा। वार्ड 73 में एलआईसी कालोनी से शांतिपुरा तक नाला निर्माण एवं मरम्मत कार्य लागत राशि 18.38 लाख से होगा। वार्ड 67 दाता नगर से राम भवन रेम्बल रोड नाला निर्माण कार्य लागत राशि 23.60 लाख से होगा। ग्राम माकड़ वाली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लॉरेंस स्कूल तक सीसी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके बाद लॉरेंस स्कूल से भेरूवाड़ा तक डामर सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। इस पर 3.5 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

लंबे समय से उठ रही थी मांग

रेल परियोजना को मिली वित्तीय मंजूरी, 3 जिलों में बनेंगे 9 नए स्टेशन

बेधड़क | कुचामनसिटी

केंद्र सरकार ने राजस्थान को दो नई रेल लाइनों की सौगात दी है। ये दोनों रेल परियोजनाएं नागौर जिले के मेड़ता सिटी से जुड़ी है। वहीं, इसके तहत बहुप्रतीक्षित मेड़ता-पुष्कर और मेड़ता-रास रेल लाइनों का निर्माण होगा और इसमें 1680.64 करोड़ रुपए की लगात आएगी।

रेल मंत्रालय ने बहुप्रतीक्षित मेड़ता-पुष्कर और मेड़ता-रास रेल लाइनों को आधिकारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके बाद इन लाइनों के निर्माण का रास्ता अब साफ हो गया है। मेड़ता-पुष्कर रेल लाइन 3 साल में बनकर तैयार होगी, जबकि मेड़ता-रास रेल लाइन का काम 4 साल में पूरा होगा। इन दोनों परियोजनाओं पर 1680.64 करोड़ रुपए की लगात आएगी। दरअसल, पिछले तीन दशक से मेड़ता से अजमेर के लिए सीधे रेल लाइन की मांग की जा रही थी। इस बीच अजमेर से पुष्कर तक रेल लाइन बिछ जाने के बाद मेड़ता से पुष्कर 51.34 किलोमीटर की दूरी के लिए रेलवे लाइन की मांग की जा रही थी। वहीं, तीन माह पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौखिक रूप से दीया कुमारी को मेड़ता-पुष्कर और मेड़ता-रास रेल लाइन की स्वीकृति के बारे में जानकारी दी गई थी। उत्तर पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य शंकर लाल परसावत ने बताया कि अब रेल मंत्रालय के रेलवे बोर्ड की ओर से दो लेटर जारी कर आधिकारिक रूप से इन दोनों लाइनों की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह लाइनें तीन जिलों से होकर गुजरेगी। इसके अंतर्गत 9 नए रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें मेड़ता सिटी (कात्यासनी), भैंसड़ा कलां, रियां बड़ी, कोड, नांद, धनेरिया, जसनगर, भूम्बलिया और रास में रेलवे स्टेशन बनेंगे। जबकि पुष्कर में पहले से ही रेलवे स्टेशन बना हुआ है। मेड़ता-पुष्कर रेल लाइन परियोजना के तहत नागौर जिला, डीडवाना कुचामन जिला और अजमेर जिले में रेलवे लाइन बिछेगी। इसी तरह से मेड़ता-रास रेल लाइन परियोजना के तहत मेड़ता और पाली जिले में रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट की स्वीकृति से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

शाहपुरा विधायक ने चिकित्सा मंत्री से मिलकर उठाई...

अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने की मांग

बेधड़क | शाहपुरा

शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में एवं शाहपुरा के जिला चिकित्सालय में सुविधाओं के विस्तार व पदों को भरने के संबंध में प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खिंवसर तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. शुभ्रा सिंह से विधायक लालाराम बैरवा ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मांग पत्र भी सौंपा।

विधायक बैरवा ने चिकित्सा मंत्री को बताया कि शाहपुरा जिला मुख्यालय होने के बावजूद आज भी क्षेत्र के लोगों को कई ऐसी सुविधाएं है, जिनका लाभ नहीं मिल रहा है।

सोनोग्राफी की सुविधा न होने के कारण प्रत्येक रोगी को बाहर या भीलवाड़ा जाना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय होने के बाद भी आज भी शाहपुरा जिला चिकित्सालय में फीजिशियन चिकित्सक नहीं है। आर्थोपेडिक का चिकित्सक होने के बाद भी उसके पास ऑपरेशन के संसाधन नहीं हैं। विभिन्न अन्य रोगों के चिकित्सक न होने के कारण आज भी गंभीर रोगी को शाहपुरा में चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में उनको भीलवाड़ा ही रेफर करना पड़ रहा है। वहीं आउटडोर समय के बाद रात्रि में कोई चिकित्सक उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा विधायक ने एसीएस शुभ्रा सिंह से मुलाकात कर जिला चिकित्सालय में चल रही अनियमितताओं की जांच के लिए भी विशेष टीम का गठन करने की मांग की है।

दो पक्षों में बच्चों की बात पर हुई लाठी-भाटा जंग

मामूली कहासुनी में खूनी संघर्ष, पांच लोग घायल

बेधड़क | धौलपुर

जिले के सरानी खेड़ा गांव में शनिवार देर रात बच्चों के मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया।

दोनों तरफ से चले लाठी-डंडों के हमले में दो महिलाओं सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर पक्ष गांव से फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात को पूरन सिंह एवं राजवीर सिंह

के बच्चे खेलते-खेलते आपस में भिड़ गए। बच्चों के विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि बड़े लोग भी झगड़े में शामिल हो गए। इस दौरान परचून का सामान लेकर लौट रहे पूरन सिंह पर राजवीर पक्ष के लोगों ने लामबंद होकर हमला कर दिया। अपने पिता को बचाने आए पूरन के बेटे राजवीर और बृजेश, राजवीर की पत्नी रेशमा और उसके पुत्र ओमकार पर हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एएसआई आदिराम ने बताया कि पूरन सिंह ने मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घायलों के पर्चा बयान ले लिए हैं। वहीं आरोपी हमलावर गांव से फरार हो गए। पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है।

कोर्ट ने नदी क्षेत्र में अवैध खनन व मलबा डालने पर लगाई रोक

अस्तित्व खोती ऐरू नदी को 10 करोड़ रुपए की लागत से मिलेगा नया जीवन

बेधड़क | बूंदी

मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से पांच साल बाद मिला न्याय

भीलवाडा के घने जंगलों से निकल कर तिलस्वां महादेव से गुजरती हुई बूंदी जिले के बरड़ क्षेत्र की प्यास बुझाते हुए चंबल नदी में समाहित होने वाली ऐरू नदी को जीवनदान मिल गया है। राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश के बाद एक बार फिर ऐरू नदी चंबल नदी में जाकर मिल सकेगी।

न्यायालय के आदेश के बाद बूंदी जिला कलेक्टर ने डीएमएफटी फंड से 10 करोड़ रुपए की योजना बनाकर राज्य सरकार को भेजी है। इसमें ऐरू नदी का पूरा मलबा हटाकर दोनों तरफ पिलर लगाया जाना प्रस्तावित है। पर्यावरण प्रेमी चबंल सांसद तथा पीपुल्स फॉर एनीमल के बूंदी जिला

प्रभारी विठ्ठल सनाढ्य ने नदी की दुर्दशा को लेकर साल 2018 में एडवोकेट महेंद्र सिंह कच्छावा के माध्यम से एक याचिका दा खिल की थी। याचिका की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने नदी में हो रहे अवैध खनन को रोकने के साथ ही नदी में पड़े मलबे को हटाने के आदेश जारी किए। जिसके बाद सालों से अवैध खनन का शिकार हो रही ऐरू नदी का कायाकल्प होगा। गौरतलब है कि ऐरू नदी भीलवाड़ा के तिलस्वा महादेव मंदिर के पास से बहती है और बूंदी तथा मुकुंदरा होते हुए चंबल नदी में मिलती है। यह नदी अवैध खनन के कारण छलनी हो चुकी है। सनाढ्य ने बताया कि भीलवाड़ा के 6 गांवों के बाद बूंदी जिले के 3 गांव में होती हुई मुकंदर टाइगर रिजर्व में होकर चंबल नदी में मिलने वाली ऐरू नदी की हालत देख कर इसके अस्तित्व को बचाने का विचार आया। इसकी प्रेरणा जल बिरादरी के अध्यक्ष व वाटररमेन राजेन्द्र सिंह से मिली और 2018 में राजस्थान उच्च न्यायालय में अस्तित्व के लिए जंग लड़ रही ऐरू नदी को बचाने के लिए जनहित याचिका दायर की।

नदी में लग रहे मलबे के डेर

बरसों से ऐरू नदी में खनन माफिया अवैध रूप से पत्थर तथा पट्टी फर्सी का खनन कर रहे हैं। वर्तमान में जहां देखो वहां पत्थर और पट्टियों और खनन मलबे के ही ढ़ेर नजर आते हैं। खनन माफिया ने इस एरू नदी को अवैध खनन करते हुए डंपयार्ड बना कर छोड़ दिया है। विठ्ठल सनाढ्य ने बताया कि ऐरू नदी में भीलवाड़ा जिले के एक गांव से तिलस्वा, काट का बाड़ा, बाणियों का तालाब, आरोली तथा बूंदी के धनेश्वर, पीपलदा, राजपुरा, राणाजी का गुडा, लांबाखोह, मुकंदरा नेशनल पार्क, अंबारानी मंदिर तक अवैध खनन हो रहा है। इससे समूची नदी का मूल स्वरूप समाप्त होकर पूरी नदी में गड्ढे हो गए हैं।

जीर्णोद्धार की सरकार को भेजी योजना

जानकारी के अनुसार 2023 तक चले इस मामले में उच्च न्यायालय ने ऐरू नदी और सनाढ्य के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आदेश दिया कि ऐरू नदी क्षेत्र में अवैध खनन को तुरंत रोका जाए और इसका सीमांकन करवाकर इसके कायाकल्प के सभी कार्य किए जाएं। न्यायालय के आदेश आने के बाद बूंदी जिला कलेक्टर ने डीएमएफटी फंड से 10 करोड़ रुपए की योजना बनाकर राज्य सरकार को भेजी है। इसमें ऐरू नदी का पूरा मलबा हटाकर दोनों तरफ पिलर लगाया जाना प्रस्तावित है। राज्य सरकार से राशि स्वीकृत होने के बाद कार्यकारी एजेंसी जल संसाधन विभाग की ओर से यह कार्य करवाया जाएगा।

माइनिंग विभाग को दिए निर्देश

अदालत से आदेश मिलने के बाद ऐरू नदी के कायाकल्प की कार्रवाई अब शुरू हो चुकी है। इसके लिए अधिकारियों ने कमर कस ली है। खनिज अभियंता, बूंदी प्रथम मनीष वर्मा ने बताया कि न्यायालय ने माइनिंग विभाग को ऐरू नदी से मलबा हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग से मलबा हटाने का एस्टीमेट बनवा कर अप्रूवल के लिए सरकार को भेजा है। वहीं नदी पर होने वाले कार्य के लिए जल संसाधन विभाग को एजेंसी बनाया गया है।

अवसरों की है भरमार, 12वीं के बाद बारीकियां सीखने के लिए कर सकते हैं शुरुआत

रियल-एस्टेट क्षेत्र में कॅरिअर के बेहतर विकल्प

तेजी से बढ़ रहा है प्रॉपर्टी सेक्टर, कामयाबी के लिए कुछ स्किल्स जरूरी

बेधड़क | जयपुर

इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं रियल-एस्टेट कॅरिअर के लिए एक बेहतर विकल्पों में से एक है क्योंकि इस क्षेत्र में लगातार विकास देखने को मिल रहा है जिसके चलते इसमें अवसर भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। कुछ वर्ष पहले तक रियल एस्टेट को केवल प्रॉपर्टी डीलर या कमीशन एजेंट्स के रूप में ही देखा जाता है लेकिन अब इस क्षेत्र में अवसरों की कमी नहीं है। अगर आप भी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं रियल-एस्टेट क्षेत्र में बेहतर कॅरिअर का निर्माण करना चाहते हैं तो 12वीं के बाद से ही इसकी शुरुआत की जा सकती है।

लंबे वक्त तक काम करना, लोगों से डील करना अच्छे कम्युनिकेशन स्किल इस फील्ड की डिमांड है। इस क्षेत्र में कॅरिअर बनाने के लिए वो सभी क्वालिटी आपमें होनी चाहिए जो एक बिजनेस शुरू करने के लिए जरूरी हैं। अगर आप खुद का काम शुरु करना चाहते हैं तो आपको लगातार लोगों से अपनी जान-पहचान बढ़नी होगी। आगे चलकर ये आपको बिजनेस बढ़ाने में मदद करेगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री खासतौर से दो चीजों पर निर्भर करती है- कोयला खदानों और टार फैक्ट्रियों से कच्चा माल लेकर सड़क-निर्माण में खपाना, सीमेंट, बालू, ईंट लेकर मल्टी-स्टोरी बनाने में खपाना। इन दोनों बिजनेस में लागत से कई गुना पैसे में फ्लैट्स, बड़े-बड़े ब्रिज, कॉमर्शियल स्पेस बेच कर पैसा कमाया जाता है। हालांकि इसके लिए आपमें हाई लेवल के सेलिंग स्किल्स होने चाहिए।

विदेश में मैनेजमेंट डिग्री पाठ्यक्रम

जीआरई पर आपके स्कोर के आधार पर, आप एमएस के लिए टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों में से एक चुन सकते हैं। आप सिविल इंजीनियरिंग में अपनी पसंद की स्पेशलाइजेशन के साथ विदेशी विश्वविद्यालयों में एडमिशन ले सकते हैं। सिविल इंजीनियरों की दुनिया भर में हमेशा मांग रहती है। आप हमेशा विदेशों में बेहतर करियर के अवसरों की तलाश कर सकते हैं।

कैसे बनाएं कॅरिअर

इस फील्ड में कॅरिअर बनाने के लिए आपको सिविल या कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग की डिग्री लेनी होगी। देश के ज्यादातर इंजीनियरिंग कॉलेज सिविल में बीटेक का ऑप्शन देते हैं। आप जेईई या जेईई- एडवांस एग्जाम पास करके टॉप आईआईटी कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं इसके आलावा कुछ राज्य लेवल और कॉलेज के अपने एंट्रेंस एग्जाम होते हैं जिन्हें क्लीयर कर आप बीटेक में एडमिशन ले सकते हैं। आप चाहें तो 10वीं और 12वीं के बाद सिविल में पॉलीटक्निक का डिप्लोमा भी कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप बिना किसी कोर्स के रियल-एस्टेट का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो आपको अपने कोंटेक्ट्स के जरिये बाज़ार से कच्चा माल और मजदूर लेने होंगे। आपके बिजनेस के लिए बैंक भी लोन दे सकता है। टेक्निकल जॉब्स के अलावा इस फील्ड में आप सेल्स, मार्केटिंग या इंटरनेश्नल रिलेशंस में एमबीए करके या बिजनेस कम्युनिकेशंस में डिग्री हासिल करके किसी कंस्ट्रक्शन कम्पनी के साथ अपने कॅरिअर की शुरूआत कर सकते हैं। आप काम के आधार पर सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, कंस्ट्रक्शन एग्जीक्यूटिव जैसे पदों से अपने कॅरिअर की शुरूआत कर सकते हैं।

ये हैं प्रमुख कोर्स

- MBA, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं। डिप्लोमा और सर्टिफिकेट जैसे कोर्स कक्षा 12 पास करने के बाद किए जा सकते हैं।
- सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक
- स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में बीटेक
- बीबीए
- एमबीए
- एमटेक
- पीजी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट

इन पदों पर मिलेगी नौकरी

इन कोर्सेज को करने के बाद आप सिविल इंजीनियर, टाउन प्लानर, सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, कंस्ट्रक्शन एग्जीक्यूटिव, अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, आर्किटेक्ट, प्रॉपर्टी या फैसिलिटीज मैनेजर जैसे पदों पर अपनी शुरुआत कर सकते हैं। अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो आप अपना बिजनेस भी स्टार्ट कर सकते हैं। इसके लिए आप अपना खुद का पैसा या किसी के साथ टाइअप करके इस बिजनेस को स्टार्ट कर सकते हैं।

कितना मिलेगा वेतन

इस क्षेत्र में वेतन आपकी काबिलियत एवं एक्सपीरियंस पर निर्भर करेगा। शुरुआत 20 हजार रुपए से हो सकती है जो आगे चलकर लाखों रुपए प्रतिमाह तक जा सकता है। प्राइवेट के अलावा आप सरकारी नौकरी के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं। यहां आपको सरकार द्वारा निर्धारित वेतन प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा।

Yuva स्टोरीज

प्रोफेशनल कोर्सेज पर सेमीनार आयोजित

जयपुर। शहर में स्टूडेंट्स अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज के साथ ही अपनी प्रोफेशनल डिग्री की तैयारियों में भी सफलता प्राप्त कर रहे हैं। ये बात कही स्टार्ट अप एक्सपर्ट परेश गुप्ता ने, वे जीसीईसी ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित कॅरिअर टॉक के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि साल 2023 में अलग-अलग प्रोफेशनल्स कोर्सेज में ही बीकॉम ऑनर्स इंटरनेशनल फायनेंस के साथ एसीसीए जैसे एग्जाम में 20 स्टूडेंट्स ने सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि ग्रेजुएशन के साथ ही स्टूडेंट्स में वर्तमान में प्रोफेशनल कोर्सेज में सफलता प्राप्त करने का ट्रेंड चल रहा है। इस अवसर पर को-फाउंडर पूजा गुप्ता ने कहा कि बीकॉम ऑनर्स मैनेजमेंट अकाउंटिंग के साथ सीएमए, बीबीए ऑनर्स इन फायनेंस के साथ सीएफए लेवल -1 जैसे एग्जाम स्टूडेंट्स नियमित रूप से क्लियर कर रहे हैं।

सफल कमांडो सर्जरी कर लौटाई खुशियां

जयपुर। शहर के चिकित्सकों ने कमांडो सर्जरी कर दो मरीजों का चेहरा पूरी तरह से ठीक करने में सफलता प्राप्त की है। एसआरके मैक्स हॉस्पिटल के चिकित्सक ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. विश्राम गुर्जर ने मुंह के कैंसर से ग्रस्त मरीज का करीब साढ़े तीन घंटे तक सर्जरी कर सफल ऑपरेशन किया। डॉ. विश्राम ने बताया कि कमांडो सर्जरी में मुंह के अंदर का कैंसर वाला हिस्सा और निचले जबड़े की हड्डी का कुछ हिस्सा निकाला जाता है। जिसे निकालने के बाद सीने से मांस लेकर मुंह के अंदर और चेहरे के बाहर के हिस्से को दोबारा से बनाया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह सर्जरी बेहद कारगर साबित हो रही है।

भारती भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर का 19 फरवरी को जन्मदिन है। गुरुजी की जन्म तिथि पर भारतीय अभ्युथान समिति की ओर से रविवार को रक्तदान शिविर लगाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यालय भारती भवन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांत रंजन ने शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और कार्यकर्ता समेत शहर के सभी इलाकों से लोग रक्तदान करने भारती भवन पहुंचे।

टाइप टेस्ट का हवाला देकर निरस्त किया प्रमोशन

शिक्षा विभाग के आदेश पर 'रेट' ने लगाई रोक

प्रमुख शासन सचिव, निदेशक एवं जयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक को नोटिस

बेधड़क | जयपुर

शिक्षा विभाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत कर्मचारी को दी गई पदोन्नति को 10 साल बाद निरस्त करने के विभाग के आदेश पर राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) ने रोक लगा दी है। साथ ही रेट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक एवं जयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। रेट ने यह आदेश कार्मिक राजेश कुमार की अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। राजेश कुमार की नियुक्ति मृत आश्रित नियमों के तहत साल 2001 में कनिष्ठ लिपिक के पद पर हुई थी। इसके बाद उसे पदोन्नति देकर साल 2013 में वरिष्ठ सहायक बना दिया और साल 2022 में दोबारा से पदोन्नति कर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत कर दिया गया था। पदोन्नति आदेश की पालना में प्रार्थी ने कार्यभार ग्रहण भी कर लिया था, लेकिन 2022 में कुछ महीने बाद ही उसकी सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई पदोन्नति को निरस्त कर दिया गया।

बिना कारण ही प्रार्थी की पदोन्नति निरस्त

प्रार्थी के वकील संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थी की दूसरी पदोन्नति को निरस्त करने के बाद 31 जनवरी 2024 को आदेश निकालकर उसकी 10 साल पहले हुई वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नति को भी निरस्त करने का आदेश निकाल दिया गया। आदेश में टाइप टेस्ट पास करने का हवाला देकर प्रार्थी का नाम वरिष्ठ सहायक के पद की वरिष्ठता सूची में हटाकर उसकी पदोन्नति निरस्त कर दी गई। जबकि प्रार्थी ने साल 2013 में ही कम्प्यूटर का डिप्लोमा प्राप्त कर रखा है। इसके बावजूद विभाग ने बिना कारण ही प्रार्थी की पदोन्नति निरस्त कर दी। प्रार्थी को दो बार पदोन्नति दी है और पदोन्नति दिए जाने के करीब 10 साल बाद उसे पदावनत किया गया है, जो अनुचित एवं नियम विरुद्ध है। लिहाजा पदोन्नति को निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाई जाए।

नेशनल मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति

चयनित विद्यार्थियों का अब 20 फरवरी तक होगा सत्यापन

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF EDUCATION

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में नेशनल मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति के तहत पात्र चयनित विद्यार्थियों के शत प्रतिशत आवेदन शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार को भिजवाने के उद्देश्य से संस्था प्रधानों स्तर पर सत्यापन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 फरवरी कर दी गई है। अब इस तिथि तक संस्था प्रधानों के स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों को आवश्यक कार्यवाही के बाद जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) के यहां अग्रेषित किया जा सकेगा।

वहीं जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) के स्तर से सभी लंबित आवेदनों को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार को 26 फरवरी 2024 तक तक ही भिजवाना होगा, इस तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आरएससीईआरटी, उदयपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम के चयनित 5471 पात्र विद्यार्थियों के 4600 फ्रेश आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं नवीनीकरण में 11583 में से 9296 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नवीनीकरण आवेदन में 117 आवेदन संस्था स्तर पर तथा 74 आवेदन जिला लेवल पर लंबित पड़े हैं।

वहीं फ्रेश आवेदन में 72 आवेदन संस्था स्तर पर तथा 193 आवेदन जिला स्तर पर लंबित पड़े हैं। इसे देखते हुए जिला व संस्था स्तर के सभी आवेदनों का 100 प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला नोडल अधिकारियों को पाबंद कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष से आवेदन में आधार नंबर को अनिवार्य किया गया है, ऐसे में इससे जुड़े समस्त प्रकरणों में आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा लंबित परिवेदनाओं का निस्तारण किया जा रहा है।

फर्जीवाड़ा | 10 व 12वीं पास कराने का झांसा देकर छात्रों से हजारों रुपए हड़पे

दसवीं के फर्जी सर्टिफिकेट बांटे, कोचिंग सेंटरों पर गाज

बेधड़क | राजसमंद

दसवीं के फर्जी सर्टिफिकेट देकर हजारों रुपए हड़पने को लेकर दो कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कांकरोली पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज हुआ है। पुलिस की जांच में दोनों कोचिंग सेंटरों का फर्जीवाड़ा उजागर हो गया। 10 व 12वीं पास कराने का झांसा देकर छात्रों से हजारों रुपए हड़पने का खुलासा हुआ।

इस पर पुलिस ने अब राजसमंद व उदयपुर के दो कोचिंग सेंटरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। कोचिंग सेंटरों की मिलीभगत से न सिर्फ मोटी फीस के रूप में हजारों रुपए हड़प लिए, बल्कि 10वीं का फर्जी सर्टिफिकेट थमा दिया। राजसमंद डीएसपी पार्थ शर्मा ने बताया कि 14 फरवरी को द्वारकेश कॉलोनी, कृषि उपज मंडी पीछे कांकरोली निवासी अभिषेक पुत्र सुरेशचंद्र दाधीच की रिपोर्ट पर दो कोचिंग सेंटरों के खिलाफा धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है।

बीस हजार रुपए जमा कराए

अभिषेक ने 2013 में 10वीं की परीक्षा दी, मगर वह फेल हो गया। परीक्षा की तैयारी के लिए राजसमंद शहर में एमके क्लासेज पर पढ़ता था, जिसका नाम बदलकर पर्ल्स कोचिंग कर दिया। एमके क्लासेज संचालक ने अभिषेक को उदयपुर के होशियार सिंह से मिलवाया, जिन्होंने 8वीं, 9वीं व 10वीं फेल छात्रों को दसवीं व बारहवीं पास करवाने के लिए आवेदन करने लिए कहा। उसने एमके क्लासेज पर आवेदन कर निर्धारित 20 हजार रुपए फीस जमा करवा दी। फिर वर्ष 2014 में उसे उदयपुर इंस्टीट्यूट पर परीक्षा दिलवा दी। उसके बाद एमके क्लासेज राजसमंद में 10वीं उत्तीर्ण की मार्कशीट उसे उपलब्ध करवा दी। उसके बाद दसवीं उत्तीर्ण सर्टिफिकेट की कहीं जरूरत ही नहीं पड़ी।

पासपोर्ट के आवेदन से खुला राज

अभिषेक ने 29 अप्रैल, 2022 को पासपोर्ट बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। इस पर पासपोर्ट कार्यालय ने उसे 27 दिसंबर, 2022 को नोटिस आया। इसमें दसवीं के प्रमाण पत्र को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया। इस पर पीड़ित अभिषेक दाधीच ने दसवीं उत्तीर्ण के बारे में जवाब प्रस्तुत किया। उसके बाद पीड़ित अभिषेक ने राजसमंद पहुंचकर एमके क्लासेज यानि पर्ल्स कोचिंग संचालक मुकेश तेली को शिकायत की, लेकिन संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर छात्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित छात्र अभिषेक की शिकायत मिलने के बाद कांकरोली थाने के हेड कांस्टेबल मदनलाल द्वारा भी विस्तृत जांच की गई। जांच में राजमसंद के एमके क्लासेज जिसका नाम अब पर्ल्स कोचिंग सेंटर और उदयपुर के इंडियन एयर एविएशन इंस्टीट्यूट उदयपुर के संचालकों की मिलीभगत उजागर हो गई। दोनों कोचिंग सेंटरों का फर्जीवाड़ा उजागर होने पर अनुसंधान अधिकारी मदनलाल की रिपोर्ट पर कांकरोली थाने में प्रकरण दर्ज हुआ।

••• 19 फरवरी •••
पुण्यतिथि पर विशेष

राष्ट्रभक्ति के आचार्य नरेंद्र देव

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> आचार्य ने 1906 में जो उग्र विचारधारा अपनाई, जीवन के अंत तक उस पर दृढ़ रहे। 1916 में जब कांग्रेस के दोनों धड़ों में मेल हुआ तो वे कांग्रेस में आ गए। आचार्य जी 1916 से लेकर 1948 ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य और जवाहर लाल नेहरु की वर्किंग कमेटी के सदस्य थे। खराब स्वास्थ्य के बावजूद भी आचार्य ने 1930 के नमक सत्याग्रह, 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1941 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में साहस से भाग लिया।

सन् 1857 की क्रांति से लेकर 15 अगस्त, 1947 तक स्वराज्य की उपलब्धि का इतिहास त्याग और बलिदान का रहा है। इस कालखंड में क्रांतिवीरों ने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देश की आत्मा को चैतन्यता से भर दिया। एक ऐसी लोकशक्ति का उदय किया कि देश के कोटि-कोटि नर-नारियों ने अपने प्राणों की बाजी लगा कर बरतानिया सत्ता को भारतीय भूमि से उखाड़ फेंका। इन्हीं महान व्यक्तित्वों में शुमार विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी आचार्य नरेंद्र देव जी भी थे, जिन्होंने अपनी अटूट देशभक्ति से देश व समाज की सेवा की। आचार्य जी एक महान देशभक्त के अलावा उच्च कोटि के निष्ठावान शिक्षक के साथ-साथ समाज के अंतिम पांत के अंतिम व्यक्ति की आवाज भी थे। 1899 में जब आचार्य जी 10 वर्ष के थे अपने पिता के साथ लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन में आए और लोकमान्य तिलक, रमेशचंद्र दत्त तथा जस्टिस रानाडे के विचारों से बहुत प्रभावित हुए। वे कम उम्र में ही गरम दल के प्रमुख समाचार पत्र विशेष रूप से 'वंदेमातरम' और 'आर्य' पढ़ने लगे और शीघ्र ही उनमें राष्ट्रवाद की भावना कुलांचे मारने लगी। वीर सावरकर की पुस्तक 'वॉर ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस' और लाला हरदयाल की पुस्तक 'इंडियन सोशियोलॉजिस्ट' से वे विशेष रूप से प्रभावित हुए। वह गरम दल का संगठन खड़ा करने के लिए इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन माता की जिद् के कारण नहीं जा सके। ग्रेजुएशन के उपरांत वे सोचने को विवश हुए कि अब क्या करें? फिर उन्होंने मन ही मन राष्ट्रसेवा का व्रत ठान लिया। चूंकि उनकी कर्मभूमि फैजाबाद थी लिहाजा वे यहां अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए वकालत के साथ-साथ राजनीतिक क्रियाकलापों में भाग लेने लगे। असहयोग आंदोलन शुरु होने के साथ ही पंडित नेहरु और शिवप्रसाद गुप्त के आमंत्रण पर काशी विद्यापीठ आ गए। उन्होंने डॉ. भगवान दास जी की अध्यक्षता में काम करना शुरू किया और 1926 में अध्यक्ष बने। विद्यापीठ के अध्यापकों और विद्यार्थियों से आचार्य जी का बड़ा लगाव रहा और यहां के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्र राष्ट्रीय शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रयाग में रहते हुए उनके विचार और भी अधिक पुष्ट हुए। उन दिनों हिंदू बोर्डिंग हाउस उग्र विचारों का केंद्र था और वे वहां गरम दल के विचारों के हो गए। सच कहें तो आचार्य ने 1906 में जो उग्र विचारधारा अपनाई, जीवन के अंत तक उस पर दृढ़ रहे। 1916 में जब कांग्रेस के दोनों धड़ों में मेल हुआ तो वे कांग्रेस में आ गए। आचार्य जी 1916 से लेकर 1948 आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य और जवाहर लाल नेहरू की वर्किंग कमेटी के सदस्य थे। खराब स्वास्थ्य के बावजूद भी आचार्य ने 1930 के नमक सत्याग्रह, 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1941 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में साहस से भाग लिया।

यही नहीं 8 अगस्त, 1942 को जब गांधी जी ने अंग्रेजों भारत का नारा दिया तो वे मुंबई में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों के साथ गिरफ्तार हो गए। वे 1942-45 तक पंडित नेहरू के साथ अहमद नगर के किले में बंद रहे। आचार्य कभी भी क्रांतिकारी दल के सदस्य नहीं रहे। लेकिन उनका उग्र विचारधारा से जुड़े क्रांतिकारियों से घनिष्ठ संबंध था। वे समय-समय पर उनकी सहायता भी करते थे। आचार्य जी समाज के कमजोर वर्ग के आर्थिक व सामाजिक जीवन में व्यापक परिवर्तन के भी हिमायती थे। उन्होंने अपने संघर्ष की उर्जा को समतामूलक समाज के निर्माण, राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और समानता की दिशा में प्रवाहित किया। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट था कि जब तक देश के कमजोर वर्ग विशेषकर किसान व मजदूर आर्थिक रूप से सबल नहीं होंगे तब तक देश का उत्थान संभव नहीं है। 22 नवंबर, 1936 को बरेली के प्रादेशिक राजनीतिक सम्मेलन में उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा भी कि' किसानों और मजदूरों का एक स्वतंत्र संगठन बनाना आवश्यक है।' उन्होंने 4 अप्रैल, 1939 को गया में अखिल भारतीय किसान सभा के अधिवेशन में भी किसानों के सवाल को प्रमुखता से उठाया और कहा कि किसानों की वर्ग चेतना पूरी तरह स्वतंत्र नहीं है और अब उन्हें संगठित कर उनके मांगों के समर्थन के लिए ब्रिटिश सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने 13 जून, 1935 को भी गुजरात प्रदेश कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के सम्मेलन में मजदूरों और किसानों को संगठित करने पर बल दिया। आचार्य नरेंद्र देव श्रमिकों की भांति किसानों को भी वर्ग संघर्ष और परिवर्तन का उपकरण मानते थे।

आर्चाय ने अपनी महती भूमिका का निर्वहन करते हुए जमींदारी उन्मूलन के लिए किसानों में चेतना उत्पन की और समाजवादी समाज की स्थापना के लिए संघर्ष का एलान किया। समाजवाद के संदर्भ में आचार्य के विचार बड़े स्पष्ट थे। वे समाजवाद को राजनीतिक से ज्यादा सांस्कृतिक आंदोलन मानते थे। उनका कहना था कि बिना राजनीतिक संस्कृति के राजनीतिक कार्यकर्ताओं में न अनुशासन आ सकता है, न वे सिद्धांतनिष्ठ बन सकते हैं और न ही उनकी दृष्टि में व्यापकता आ सकती है। समाजवाद के पितामह आचार्य नरेंद्र देव ने 1934 में जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया एवं अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की। कांग्रेस से बाहर आने पर 1948 में सोशलिस्ट पार्टी का जो सम्मेलन पटना में हुआ उसकी अध्यक्षता की।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संदर्भः चुनावी बॉन्ड से चंदे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

चंदे में गुमनामी का खेल असंवैधानिक

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> आयोग ने सरकार द्वारा जनप्रतिनिधित्व कानून में किए गए उस बदलाव पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसमें राजनीतिक दल को बॉन्ड के जरिए ली गई धनराशि को ऑडिट रिपोर्ट में दर्शाने की बाध्यता खत्म कर दी गई थी। ये प्रावधान 'वित्त विधेयक-2017' के जरिए किए गए थे। विडंबना रही कि किसी भी विपक्षी दल ने आयोग की आपत्तियों पर गौर नहीं किया।

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी समेत सभी राजनीतिक दलों को बड़ा झटका दिया है। डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसले में दलों को गुमनामी चुनावी चंदा उपलब्ध कराने वाली केंद्र सरकार की निर्वाचन बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। पीठ ने बॉन्ड की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए इसे क्रय करने वालों, बॉन्ड का मूल्य और इसे पाने वालों के नाम सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। अदालत ने 2018 में वित्त विधेयक-2017 के जरिए लाई गई इस योजना को संविधान के अनुच्छेद 19 (1 ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना के मौलिक अधिकार के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन माना है। पीठ ने केंद्र सरकार की इस दलील को भी नहीं माना कि यह योजना राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता और कालेधन पर अंकुश लगाने के लिए अस्तित्व में लाई गई थी। इस फैसले को लोकतंत्र में विश्वास बहाली की दृष्टि से देखा जा रहा है।

कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान महान्यायवादी आर वेंकटरमणी ने शीर्ष न्यायालय को लिखित दलील देते हुए कहा था कि देश की जनता को राजनीतिक दलों को चंदा कौन देता है, यह जानने का अधिकार नहीं है। चुनावी बॉन्ड चंदा देने का एक स्वच्छ जरिया है, इसलिए इनके नाम सार्वजनिक नहीं किए जा सकते हैं। महान्यायवादी ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1-ए) के तहत नागरिकों को चुनावी धन का स्रोत जानने का अधिकार नहीं होने की दलील भी दी थी। इस कानून के समर्थन में सभी दल रहे हैं। क्योंकि सभी को भरपूर गुमनामी चंदा उद्योगपतियों और औद्योगिक घरानों से मिलता रहा है। इसी कारण चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त सभी दल खूब फलते-फूलते रहे हैं। साफ है, सभी दल बहती गंगा में हाथ धोने में लगे थे। निर्वाचन बॉन्ड ने तो दलों और उम्मीदवारों को यह सुविधा भी दे दी थी कि उन्हें जो चंदा बॉन्ड के जरिए मिलेगा, उसकी जानकारी निर्वाचन आयोग को भी देने की जरूरत नहीं है। दरअसल इस चंदे के बदले में दल औद्योगिक घरानों के हित साधने का काम करते हैं, यहां तक कि कई नीतियां भी उन्हीं के हितों को साधने के लिए बना दी जाती हैं। दलों को धन की जरूरत चुनाव लड़ने के साथ-साथ संगठन चलाने के लिए भी रहती है। अतएव चंदे में पारदर्शिता को वित्त विधेयक में दूर रखने के पुख्ता उपाय मौजूद थे। अदालत की पीठ ने इन्हीं उपायों की असंवैधानिकता पर कुठाराघात किया है।

2018 में चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा लेने का कानून बनाए जाने के वक्त दावा किया गया था कि कालेधन पर रोक और भ्रष्टाचार पर लगाम की दृष्टि से राजनीतिक पार्टियां अब केवल निर्वाचन बॉन्ड के जरिए ही चंदा ले सकेंगी। ये बॉन्ड एक हजार, 10 हजार, 1 लाख, 10 लाख और 1 करोड़ के गुणक में उपलब्ध कराए गए थे। इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की चुनिंदा शाखाओं से ही खरीदा जा सकता था। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने दावा किया था कि इस व्यवस्था के शुरू होने से देश में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की प्रक्रिया में पारदर्शिता आ जाएगी। भारत का कोई भी नागरिक या संस्था ये बॉन्ड खरीद कर दलों को चंदा देने के लिए स्वतंत्र हैं। बॉन्ड पर दानदाता का नाम नहीं लिखा जाएगा। ये बॉन्ड खरीदे जाने के 15 दिन के भीतर किसी भी दल को दान के रूप में दिए जा सकेंगे। इस दान को लेने का हक केवल उन दलों को होगा, जिन्हें निर्वाचन आयोग की मान्यता के साथ एक प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हों। इस प्रक्रिया पर असहमति जताते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने कहा था कि आम लोगों को यह कैसे पता चल पाएगा कि किस दल या उम्मीदवार को कितना चंदा किस व्यक्ति या व्यापारी से मिला है? आयोग ने सरकार द्वारा जनप्रतिनिधित्व कानून में किए गए उस बदलाव पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसमें राजनीतिक दल को बॉन्ड के जरिए ली गई धनराशि को ऑडिट रिपोर्ट में दर्शाने की बाध्यता खत्म कर दी गई थी। ये प्रावधान 'वित्त विधेयक-2017' के जरिए किए गए थे। विडंबना रही कि किसी भी विपक्षी दल ने आयोग की आपत्तियों पर गौर नहीं किया। साफ है, सभी दल चंदे की गोपनीयता बनाए रखने में एकमत थे।

वित्त विधेयक-2017 में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति या कंपनी चेक या ई-पेमेंट के जरिए चुनावी बॉन्ड खरीद सकता है। ये बियरर चेक की तरह बियरर बॉन्ड होंगे। मसलन इन्हें दल या व्यक्ति चैकों की तरह बैंकों से भुना सकते हैं। चूंकि बॉन्ड केवल ई-ट्रांसफर या चेक से खरीदे जा सकते हैं, इसलिए खरीदने वाले का पता होगा, लेकिन पाने वाले का नाम गोपनीय रहेगा। अर्थशास्त्रियों ने इसे कालेधन को बढ़ावा देने वाला उपाय बताया था। क्योंकि इस प्रावधान में ऐसा लोच था कि कंपनियां इस बॉन्ड को राजनीतिक दलों को देकर फिर से किसी अन्य रूप में वापस ले सकती थी। कंपनी या व्यक्ति बॉन्ड खरीदने पर किए गए खर्च को बही खाते में तो दर्ज करेंगी, लेकिन यह बताने को मजबूर नहीं रहेंगी कि उसने ये बॉन्ड किसे दिए हैं। यही नहीं सरकार ने कंपनियों पर चंदा देने की सीमा भी समाप्त कर दी थी। बॉन्ड के जरिए 20 हजार रूपए से ज्यादा चंदा देने वाली कंपनी या व्यक्ति का नाम भी बताना जरूरी नहीं था।

हालांकि केंद्र सरकार ने यह पहल निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर की थी। आयोग ने इसके लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन का सुझाव दिया था। फिलहाल दलों को मिलने वाला चंदा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 13 (ए) के अंतर्गत आता है। इसके तहत दलों को 20,000 रुपए से कम के नगद चंदे का स्रोत बताने की जरूरत नहीं है। इसी झोल का लाभ उठाकर दल बड़ी धनराशि को 20,000 रुपए से कम की राशियों में सच्चे-झूठे नामों से बही खातों में दर्ज कर कानून को ठेंगा दिखाते रहे थे। इस कानून में संशोधन के बाद जरूरत तो यह थी कि दान में मिलने वाली 2000 तक की राशि के दानदाता की पहचान को आधार से जोड़ा जाता, जिससे दानदाता के नाम का खुलासा होता? किंतु ऐसा न करते हुए सरकार ने निर्वाचन बॉन्ड के जरिए उपरोक्त प्रावधानों पर पानी फेर दिया था।

शायद इसीलिए सीजेआई ने फैसले में चुनाव आयोग की खिंचाई करते हुए कहा है कि आप देशभर में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने वाली एकमात्र एजेंसी हैं। इस वजह से दलों में जहां आंतरिक लोकतंत्र समाप्त हुआ, वहीं आम आदमी से दूरियां भी बढ़ती चली गईं। दल आम कार्यकर्ताओं की बजाय धनबलियों को उम्मीदवार बनाने लग गए। नतीजतन लोकसभा और विधानसभाओं में पूंजीपति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की घोषित संपत्ति 10 हजार करोड़ रुपए (एक खरब) से भी अधिक है। अतएव अदालत ने निर्वाचन बॉन्ड को खत्म करके राजनीतिक दलों को आमजन तक फिर से पहुंचने के लिए सबक सिखाने का काम किया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

पुस्तकों का मीना बाजार

डॉ. प्रदीप उपाध्याय
व्यंग्यकार

"दद्दा मुझे भी राजधानी में लगे मीना बाजार में जाना था। मैंने सुना है कि राजधानी में बहुत बड़ा मीना बाजार लगा था। बहुत भीड़ उमड़ पड़ रही थी।" "लेकिन बेटा तू क्या करता वहां जाकर! यह कोई मुगलों वाला मीना बाजार नहीं है जो महिलाओं के लिए ही लगता था और न ही उसी तर्ज पर साजो-सामान और मनोरंजन के लिए लगने वाले मीना बाजार जैसा है।यह तो मेला है जिसमें वहां लिखने वाले और छापने वालों का ही काम है। वहां के बारे में बताने वाले बता भी रहे हैं और दिखाने वाले दिखा भी रहे हैं कि पुस्तकों की भीड़ ज्यादा है और उससे भी ज्यादा पुस्तक लिखने वालों की।ऐसे में भला तेरा वहां क्या काम!"

"तो क्या दद्दा वहां खाने-पीने की चीज नहीं है। मीना बाजार में तो खाने पीने की दुकान, तरह-तरह की चित्ताकर्षक वस्तुओं के अलावा झूले भी रहते हैं।फुग्गे फोड़ने की दुकान तो रहती ही है।और भी तरह तरह के आइटम रहते हैं।"

"अरे बेटा,ये किताबों का मेला है। वहां पेट की भूख मिटाने के आइटम नहीं रहते,बल्कि दिमाग की भूख मिटाने के आइटम रखे जाते हैं।" किन्तु दद्दा, आजकल दिमाग की भूख बची ही कहां है! वह तो गुगल बाबा ने भरपूर आइटम खिलाकर दिमाग में अपच पैदा कर दिया है। अब दूसरे कुछ के लिए जगह ही नहीं बची है तब नाहक ही ये किताबें वहां के मीना बाजार में सजाने का क्या मतलब है।

"अरे बेटा यह बात तू नहीं समझेगा। वहां छापने वाले दुकान सजाए बैठे हैं और छपने वाले वहां किए गए अपने आइटम सांग के साथ सोशल मीडिया पर ता-ता-थैय्या कर रहे हैं।" लेकिन दद्दा किताबें तो पढ़ने के लिए होती हैं। यहां तो सब प्रदर्शन करने में लगे हुए हैं।पढ़ने वाले तो कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं, छापने वाले और छपने वाले ही दिखाई दे रहे हैं।

"आजकल यही हो रहा है। किताबों की सरकारी खरीद बंद होने से लोगों को ऐसे ही आकर्षित किया जा रहा है लेकिन उल्टे घड़े पर कितना ही पानी डालो, कोई असर होने वाला नहीं है। कोई अपनी जेब में हाथ डालकर किताब खरीदने वाला नहीं है।आज के लोकतंत्र में जिस तरह निन्यानवे नेता और एक जनता रह गई है, ठीक उसी तरह निन्यानवे लेखक और एक पाठक के युग में भला कौन किताब खरीदेगा! मेले में पहुंचकर किताबें हाथ में लेने वाले लोग ठीक उसी तरह मनचले हैं जो मीना बाजार में घुमते समय भीड़ में नवयौवनाओं से स्पर्श सुख पाकर ही अपने को धन्य समझ बैठते थे।" दद्दा, हमारे कस्बे का मीना बाजार तो अभी भी कौतूहल पैदा करता है। लगता है कि किताबों के मीना बाजार में कोई रास-रंग वाली बात ही नहीं।

"अरे, ऐसा नहीं है। वहां रास भी है, रंग भी है और रंग में भंग भी। खैर छपने और छापने वालों के अपने रंग है। हां,कुछ छापने वाले ज्ञानी लोग हैं उन्होंने अपने ज्ञान का सदुपयोग करते हुए पुस्तकों में मसाला डालने वालों से पहले ही कीमत वसूल ली है तो वे क्यों मेले में दुकान लगाने के लिए अपनी पॉकेट की मुद्रा जाया करें! घर बैठे जब मुद्रा पाने का ज्ञान अर्जित हो जाए तो क्यों कोई मेले में अपनी दुकान सजाकर मक्खी मारे। और हां, यह क्या तूने मीना बाजार की रट लगा रखी है। कितनी बार बोला कि वह पुस्तक मेला है। विश्व पुस्तक मेला। मीना बाजार नहीं!" ठीक है दद्दा! मुझे भी लगता है कि आपके उस मेले में अपना कोई काम नहीं। अपना तो कस्बाई मीना बाजार ही अच्छा है।

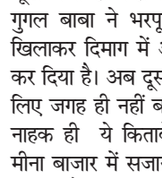

नॉलेज कॉर्नर: स्पेस में लगातार बढ़ रहा उपग्रहों से कचरा

अंतरिक्ष से इस तरह वापस लाते हैं सैटेलाइट

अधिकांश लोगों ने सैटेलाइट्स की लॉन्चिंग जरूर देखी होगी। दुनिया की कई बड़ी स्पेस एजेंसियां समय-समय पर सैटेलाइट लॉन्च करती रहती हैं। अभी हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 17 साल पहले लॉन्च की गई कार्टोसैट-2 सैटेलाइट को अंतरिक्ष से पृथ्वी के वायुमंडल में सफलतापूर्वक गिरा दिया है। बता दें कि 14 फरवरी 2024 को ये सैटेलाइट धरती के वायुमंडल में प्रवेश किया और हिंद महासागर में गिरकर खत्म हो गया था। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अंतरिक्ष से धरती पर सैटेलाइट को वापस कैसे लाया जाता है। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं इस सैटेलाइट प्रकिया के बारे में...

पृथ्वी की कक्षा से बाहर करने की कोशिश

नासा के अनुसार जिन सैटेलाइट में ईंधन नहीं बचा होता है। ऐसे सैटेलाइट के साथ कोशिश की जाती है कि इन्हें पृथ्वी की कक्षा से बाहर कर दिया जाए। वैज्ञानिक ऐसे सैटेलाइट को पृथ्वी की कक्षा से दूर करके सैटेलाइट को विस्फोट कर देते हैं। वैज्ञानिक ऐसी जगहों पर इन्हें विस्फोट करते हैं, जहां पर जलने के बाद भी इनका हिस्सा समुंद्र में गिरे। क्योंकि जिन सैटेलाइट्स में ईंधन कम होता है, उन्हें पृथ्वी की ओर लाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है

यह्न फिर ऐसे उपग्रहों को धरती की कक्षा छोड़कर बाहर निकाल दिया जाता है। ऐसे उपग्रह हमेशा के लिए अंतरिक्ष में विलीन हो जाते हैं। इन्हें फिर कभी तलाशा नहीं जा सकता। क्योंकि इनके साथ संपर्क कर पाना असंभव सा काम है। उपग्रहों को पृथ्वी पर वापस भेजने की तुलना में अंतरिक्ष में दूर तक विस्फोट करने में कम ईंधन लगता है।

कचरा कम करने का प्रयास

दुनिया की बहुत सारी स्पेस एजेंसियों ने अंतरिक्ष में सैटेलाइट को भेजा हुआ है। लेकिन एक समय के बाद जब इन सैटेलाइट का काम खत्म हो जाता है या इनका जीवन पूरा हो जाता है। उस वक्त अधिकांश स्पेस एजेंसी इन्हें अतंरिक्ष से बाहर निकालना चाहती हैं, क्योंकि इससे अंतरिक्ष में कचरा कम होगा। नासा के मुताबिक, पुराने उपग्रहों के साथ दो चीजें हो सकती हैं। जो उपग्रह धरती के बिल्कुल करीब हैं, अगर उनका काम खत्म हो गया और ईंधन भी अंतिम चरण में है तो साइंटिस्ट इनकी गति को धीमा करते हैं। ताकि यह कक्षा के बाहर आकर धरती की ओर गिरे। जैसे ही यह वायुमंडल में आता है, इसकी गति इतनी तेज हो जाती है कि घर्षण के कारण यह जलकर नष्ट हो जाता है।

धरती पर यहां जमा हो रहा कूड़ा

खराब हो चुके सैटेलाइट्स को धरती पर लौटाकर पॉइंट निमो में जमा किया जा रहा है। प्रशांत महासागर में दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच स्थित इस जगह को समुद्र का सेंटर भी माना जाता है। अब तक यहां 100 से ज्यादा सैटेलाइट्स का कबाड़ जमा हो चुका है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
उत्तर प्रदेश के संभल में श्री कल्कि धाम देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है। सुबह यहां दिव्य-भव्य मंदिर के शिलान्यास का मुझे सौभाग्य मिलेगा।

अशोक गहलोत, पूर्व, सीएम, राजस्थान
@ashokgehlot51
परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का समाधि द्वारा ब्रम्हलीन होने का समाचार प्राप्त हुआ। मानव कल्याण व चेतना जागृति में आपका योगदान युग युगांतर तक समाज का पथ प्रदर्शन करता रहेगा। श्रद्धापूर्ण नमन।

उत्तर प्रदेश में सियासी झटके: अखिलेश यादव पर पार्टी नेता ने लगाया राज्यसभा चुनाव में मुसलमानों की उपेक्षा का आरोप

सलीम शेरवानी का समाजवादी पार्टी के महासचिव पद से इस्तीफा

एजेंसी | लखनऊ

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी को एक और सियासी झटका लगा है। पार्टी महासचिव सलीम इकबाल शेरवानी ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर मुसलमानों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। इससे पहले एक और महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। बताया जा रहा है कि सलीम शेरवानी राज्यसभा का टिकट न मिलने से नाराज थे। शेरवानी ने अपने इस्तीफे को लेकर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लिखे गए पत्र में कहा कि पार्टी में मुसलमानों की उपेक्षा से परेशान होकर महासचिव पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

जल्द ही भविष्य को लेकर फैसला लूंगा। उन्होंने कहा कि सपा मुसलमानों का भरोसा खो रही है। उन्होंने कहा कि मुसलमान लगातार उपेक्षित महसूस कर रहा है राज्यसभा के चुनाव में भी किसी मुसलमान को नहीं भेजा गया। बेशक मेरे नाम पर विचार नहीं

होता लेकिन किसी मुसलमान को भी यह सीट मिलनी चाहिए थी। मुसलमान एक सच्चे रहनुमा की

तलाश में हैं। मुझे लगता है सपा में रहते हुए मैं मुसलमान की हालत में बहुत परिवर्तन नहीं ला सकता।

समर्थकों के साथ बैठक के बाद किया फैसला

सपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने से पहले सलीम इकबाल शेरवानी ने अपने करीबियों और समर्थकों के साथ दिल्ली में बैठक की। वह यूपी में किसी भी मुस्लिम को सपा की तरफ से राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर आलाकमान से नाराज थे। शेरवानी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एक मजबूत विपक्षी गठबंधन को लेकर कोई भी गंभीर नहीं दिख रहा है। ऐसा लग रहा है कि जैसे विपक्षी गठबंधन में शामिल दल सत्ता पक्ष से लड़ने की बजाय आपस में लड़ रहे हैं।

पीडीए को कोई महत्व नहीं

शेरवानी ने आरोप लगाया है कि जिस तरह से आपने पीडीए (पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक) नाम लिया, लेकिन राज्यसभा में उम्मीदवारों की सूची को देखकर लगता है कि आप खुद ही पीडीए को कोई महत्व नहीं देते।

शेरवानी 2019 चुनाव से पहले सपा छोड़ कांग्रेस चले गए थे

आपको बता दें कि सलीम शेरवानी चार बार सपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। एक बार कांग्रेस के टिकट पर वह संसद पहुंचे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले वह सपा छोड़कर कांग्रेस चले गए थे। इसके बाद उनकी घर वापसी हो गई थी।

कांग्रेस-AAP में अकेले चुनाव लड़ने पर सहमति

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी के घर लंच के मौके पर पहुंचे आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने आपसी सहमति से अलग–अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है। केजरीवाल ने कहा कि हमारे बीच कोई मनमुटाव नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस से गठबंधन पर बातचीत जारी है. दिल्ली में बिना गठबंधन भाजपा की राह आसान हो जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस से बातचीत जारी है, दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन होगा

बसपा के लिए गठबंधन के दरवाजे बंद नहीं: कांग्रेस

प्रयागराज। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि बसपा के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। यह मायावती को तय करना है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में वह भाजपा के खिलाफ एकजुट दलों के साथ आना चाहती हैं कि नहीं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने आए पांडेय ने यहां कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यूपी में सीटों के बंटवारे पर समझौता हो जाएगा। जो कुछ मतभेद हैं, उन्हें शीघ्र ही दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरे दिल से समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है। यूपी के कुछ छोटे दलों से भी गठबंधन में शामिल होने के लिए बातचीत की जा रही है।

कमलनाथ के भाजपा में जाने को लेकर सस्पेंस कायम

कांग्रेस नेताओं का दावा- कहीं नहीं जाएंगे वह, पार्टी में ही रहेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने को लेकर सस्पेंस पर से पर्दा नहीं उठा है। मध्य प्रदेश से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक सियासी घमासान जारी है। हालांकि पिछले 24 घंटे से ऐसे कयास हैं कि कमलनाथ का अपने सांसद बेटे नकुलनाथ के साथ भाजपा में जाना लगभग तय है। कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के साथ दिल्ली में मौजूद हैं। उनके समर्थक करीब आधा दर्जन विधायक भी दिल्ली पहुंच गए हैं। दूसरी ओर भाजपा में शामिल होने के कयासों के बीच, कमलनाथ ने रविवार को कहा कि मेरी तो कहीं बात नहीं हुई। मैं तेरहवीं में जा रहा हूं। वहीं पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने रविवार को कहा कि कमलनाथ कांग्रेस को छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं वह कांग्रेस में ही रहेंगे। वर्मा ने रविवार को दिल्ली में कमलनाथ से मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि अभी उनका फोकस इस बात पर है कि मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर जातीय समीकरण कैसे होंगे। कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने (पार्टी छोड़ने के बारे में) ऐसा कुछ भी नहीं सोचा है। उन्होंने कहा,कमलनाथ आज भी कांग्रेस में, कल भी रहेंगे। दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी दावा किया है कि उनकी कमलनाथ से बात हुई है। उन्होंने कहा कि जीतू मीडिया में जो ये बातें आ रही हैं, ये भ्रम है। मैं कांग्रेसी था, हूं और रहूंगा। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि मेरी उनसे लगातार बात हो रही है। कांग्रेस नेतृत्व से भी उनकी बात हो रही है। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि कमलनाथ जैसा व्यक्ति (जिसे हम इंदिरा गांधी का तीसरा सुपुत्र मानते हैं) ने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। पार्टी ने उन्हें सभी पद दिए। मुझे नहीं लगता कि वे पार्टी छोड़ेंगे। उन पर भी प्रवर्तन निदेशलाय (ईडी), इनकम टैक्स (आईटी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का दबाव है पर उनका चरित्र दबाव में नहीं आने वाला है।

"कमलनाथ ने कहा- वह कांग्रेसी थे, और रहेंगे।"
जीतू पटवारी

"मेरी तो कहीं बात नहीं हुई"
कमलनाथ

"कमलनाथ कांग्रेस को छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं।"
सज्जन सिंह वर्मा

भाजपा में भी उठ रहे हैं विरोध के सुर

उधर, कमलनाथ को लेकर भाजपा में भी घमासान छिड़ गया है। कुछ भाजपा नेताओं का कहना है कि 1984 के सिख दंगों के आरोपी कमलनाथ को पार्टी में लेने से सिख समाज के बीच गलत संदेश जाएगा। इसका दिल्ली और पंजाब सहित अनेक राज्यों में नुकसान हो सकता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा कमलनाथ के लिए दरवाजे खोलने से पहले पंजाब और मध्य प्रदेश के चुनावी गणित का आकलन करेगी। पूरे नफा नुकसान के विश्लेषण के बाद ही कमलनाथ को भाजपा में प्रेवश मिल सकता है। दिल्ली भाजपा के नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने कमलनाथ के पार्टी में शामिल होने की खबरों को निराधार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, बहुत से मित्रों के फोन आ रहे है और वो कमलनाथ के बारे में पूछ रहे हैं। मैंने उनसे फोन पर भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के होते हुए कभी ऐसा संभव नहीं हो पाएगा, ऐसा मैं आप सबको भरोसा दिलाता हूं।

विपक्ष के कई नेताओं की मोदी की नीतियों में आस्था, BJP में हो सकते हैं शामिल: ठाकुर

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के भी अनेक नेता पीएम मोदी की नीतियों को देश को आगे बढ़ाने के लिए सही मानते हैं। वे अपनी पार्टीगत बाध्यताओं के चलते खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते, लेकिन उनकी आस्था प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों में है। यही कारण है कि वे अपनी-अपनी पार्टियों को छोड़कर भाजपा में आ सकते हैं। ठाकुर की यह बात इस अर्थ में बेहद महत्वपूर्ण है कि पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए इस लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जिताने का लक्ष्य दे रखा है।

पार्टी की दक्षिणी राज्यों पर टिकी है नजर

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत के कई राज्यों के बड़े नेताओं से भी चल रही है। इसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य भी शामिल हैं। भाजपा नेताओं का मानना है कि उत्तर भारत के बल पर पार्टी पहले ही 303 के आंकड़े को छू चुकी है, सहयोगी दलों के साथ यह आंकड़ा 330 से ऊपर पहुंच चुका है। ऐसे में यदि उसे दक्षिण भारत के कुछ दलों का साथ मिल जाए तो वह 400 के आंकड़े को भी पार कर सकती है।

केरल: उच्च शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

मैं अपराधियों को नहीं दे रहा हूं जवाब: खान

■ सीनेट की बैठक पर घमासान

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू की आलोचना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की सीनेट की बैठक की अध्यक्षता कुलाधिपति या उनके द्वारा अधिकृत कोई व्यक्ति कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल विश्वविद्यालय की सीनेट की बैठक में आर बिंदू उपस्थिति अवैध और नियमों के खिलाफ थी। राज्यपाल खान ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह बात कही। आर बिंदू के सीनेट की बैठक की अध्यक्षता करने से जुड़े सवाल पर राज्यपाल ने कहा कि किसी अन्य व्यक्ति को अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं है। खान ने उन (आर बिंदू) पर पूरी तरह से

अज्ञानी होने, अदालत और देश के कानून के प्रति सम्मान की कमी दिखाने का आरोप लगाया। जब मीडिया ने इस संबंध में मंत्री के बयानों की ओर ध्यान दिलाया तो राज्यपाल खान ने कहा, मैं अपराधियों को जवाब नहीं देने जा रहा हूं। वह (आर बिंदू) कुछ भी कहती रहें। मैं उन्हें इतना महत्वपूर्ण नहीं मानता कि उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे सकूं। खान ने कहा, वह कुछ भी कहें, मुझे केवल इतना पता है कि शिक्षा मंत्री होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति ने सीनेट की बैठक में अवैध रूप से हस्तक्षेप करने की कोशिश की।

मेरे पास बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार: आर बिंदू

हालांकि, उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन नहीं किया है और प्रो-चांसलर के रूप में, उनके पास सीनेट की बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार है। बिंदू ने कोझिकोड में संवाददाताओं से कहा कि उनके पास विवादों पर बर्बाद करने के लिए समय नहीं है। राज्यपाल की आलोचना के जवाब में उन्होंने कहा, अगर यह कानूनी नहीं है, तो अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है।

फिर बदला नाम, चुनाव आयोग ने लगाई मुहर

अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा होगा उपेंद्र कुशवाह की पार्टी का नाम

एजेंसी | पटना

पूर्व मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नाम से जानी जाएगी। राष्ट्रीय समता पार्टी से शुरू हुआ कुशवाहा का सफर राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के बाद राष्ट्रीय लोक जनता दल तक पहुंचा था। अब चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी के नए नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) पर अब अंतिम मुहर लगा दी है। कुशवाहा इस पार्टी के सर्वेसर्वा होंगे।

कुशवाहा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, चुनाव

आयोग और हमारे बीच राष्ट्रीय लोक जनता दल के संशोधित नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी। अब हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा है। उन्होंने पार्टी के नए नाम को रजिस्टर्ड करवा लिया गया है।

राजग के साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

कुशवाहा ने कहा कि चुनाव आयोग से नई पार्टी की मान्यता मिलने के बाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी अब बिहार की जनता को संवारने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी राजग से मिलकर चुनाव लड़ेगी और 40 में से 40 सीट जीतेगी। हमारी पार्टी कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी, यह निर्णय राजग करेगा।

राकांपा के MLA के खिलाफ याचिका खारिज

कोहिमा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार को नागालैंड में सियासी झटका लगा है। राज्य विधानसभा अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर ने एनसीपी (अजित पवार गुट)के सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका खारिज कर दी है। शरद पवार नीत एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत टकले ने 30 अगस्त, 2023 को सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी, क्योंकि इन विधायकों ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में समर्थन पत्र दिया था। टकले ने इन विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल बताया था।

प्रशांत किशोर ने राजद नेता पर कसा तंज

तेजस्वी यादव की विश्वास यात्रा पर अब कौन करेगा विश्वास

एजेंसी | पटना

चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने राजद नेता तेजस्वी यादव की प्रस्तावित जन विश्वास यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि इन यात्राओं से बिहार की जनता को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले थे। उससे बिहार की जनता को क्या मिला? राहुल गांधी अब एक बार फिर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हैं। इससे बिहार के कितने लोगों को न्याय मिल रहा है? उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कई यात्राएं कीं। उन्होंने समाधान यात्रा की लेकिन क्या इससे लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ? प्रशांत किशोर ने लालू परिवार पर बोलते हुए यह कहा कि भले ही तेजस्वी यादव जन विश्वास यात्रा में निकलने वाले हैं, लेकिन उन पर विश्वास कोई नहीं करने वाला है।

भीड़ भले ही जुटा लें तेजस्वी, लेकिन यात्रा से नहीं पड़ेगा कोई फर्क

प्रशांत किशोर ने कहा कि भले ही तेजस्वी यादव जन विश्वास यात्रा के जरिए भीड़ जुटा लें। मगर यह भीड़ जात के नाम पर, कार्डर के नाम पर, पैसे के दम पर आ जाएगी। कुछ लोग इकट्ठा भी हो जाएंगे लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। प्रशांत किशोर ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी को काठ की हांडी कहा। उन्होंने कहा कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ाई जा सकती।

संदेशखाली की घटनाओं को लेकर सियासी घमासान

सीएम ममता का प्रहार-मेरे खिलाफ एक-दूसरे से मिले 'राम-वाम-श्याम'

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में संदेशखाली की घटनाओं को लेकर सियासी घमासान जारी है। राज्य में विपक्षी दल लगातार सरकार पर हमले कर रहे हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर 24 उत्तरी परगना जिले के संदेशखाली इलाके में शांति भंग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है लेकिन भाजपा नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि राज्य में उनके खिलाफ भाजपा, वामपंथी और कांग्रेस (राम, वाम, श्याम) एक-दूसरे से मिले हुए हैं। ममता ने कहा कि हम हमेशा कुछ भी गलत होने पर कार्रवाई करते हैं। पहले ईडी, फिर भाजपा और फिर मीडिया। वे वहां [संदेशखाली] शांति को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर कोई आरोप है तो हम कार्रवाई करेंगे।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने पुलिस से स्वतः संज्ञान लेने को कहा है। हमारे ब्लॉक अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। भांगर में अराबुल इस्लाम को भी गिरफ्तार किया गया है। लेकिन भाजपा ने अपने नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की?

यह भी बोलीं ममता

- संदेशखाली में शांति को बाधित करने की कोशिश
- भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं पर नहीं की कार्रवाई

ग्रामीणों से मिलने तीन मंत्री पहुंचे संदेशखाली

इस बीच, सीएम ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल के तीन मंत्री रविवार को संदेशखाली पहुंचे। वह लोगों से उनकी शिकायत के बारे में बात करने के लिए प्रदर्शन वाली जगह पर पहुंचे। इन मंत्रियों में पार्थ भौमिक, सुजीत बोस और बीरबाहा हांसदा शामिल हैं।

हमें धमकाने के लिए ईडी व सीबीआई का इस्तेमाल

ममता ने कहा कि वे हमें धमकाने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर चुनाव आयोग भाजपा के आदेश पर काम कर रहा है तो यह बात ध्यान में रखें कि हमें लड़ने और अपनी बात रखने का अधिकार है। पहले मुझे लेफ्ट की प्रताड़ना झेलनी पड़ी और अब भाजपा की प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

कोर्ट ने TMC नेता हाजरा को 8 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के 24 उत्तरी परगना जिले के संदेशखाली में बलात्कार-हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता शिबू हाजरा को रविवार को बशीरहाट उपमंडल अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने हाजरा को 8 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस दौरान लोगों खासकर संदेशखाली की महिलाओं ने 'चोर-चोर' और 'बलात्कारी-बलात्कारी' के नारे लगाए। पुलिस रविवार को शिबू हाजरा को बशीरहाट सब-डिवीजन कोर्ट के परिसर में लेकर आई।

क्या है मामला

संदेशखाली में महिलाएं यौन उत्पीड़न को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने टीएमसी नेता शिबू हाजरा पर भी यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इससे पहले टीएमसी नेता शाहजहां शेख के यहां छापामारी करने गई ईडी व सुरक्षा कर्मियों की टीम पर भीड़ ने कथित रूप से हमला किया था और शेख फरार हो गया था। शिबू हाजरा को संदेशखाली हिंसा के मास्टरमाइंट शाहजहां शेख का करीबी माना जाता है। महिलाओं ने शाहजहां शेख पर भी आरोप लगाया है कि उसने उनकी जमीन पर कब्जा करने के साथ-साथ कुछ महिलाओं का यौन शोषण भी किया है।

जरूरी खबर

डीपफेक पर अंकुश के लिए कंपनियां एकजुट

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, गूगल, एक्स, अमेजन और ओपनएआइ जैसी 20 प्रमुख कंपनियों ने इस साल भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में होने वाले चुनावों में भ्रामक एआइ कंटेंट और डीपफेक पर अंकुश लगाने का संकल्प लिया है। इन कंपनियों ने म्युनिख सिक्योरिटी कान्फ्रेंस में समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों में एडोब, अमेजन, एंथ्रोपिक, आर्म, इलेवनलैब्स, गूगल, आइबीएम, इन्फ्लेक्शन एआइ, लिंक्डइन, मैकेफी, मेटा, माइक्रोसाफ्ट, नोटा, ओपनएआइ, स्नैप इंक, स्टेबिलिटी एआइ, टिकटाक, ट्रेंड माइक्रो, ट्रूपिक और एक्स शामिल हैं।

मणिपुर हिंसा: पुलिसकर्मी के निलंबन पर बवाल

इंफाल। एक हेड कांस्टेबल के निलंबन को लेकर मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बवाल मचा हुआ है। कुछ हथियार बंद लोगों के साथ हेड कांस्टेबल का फोटो वायरल होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया था। लेकिन आदिवासी संगठन ने उग्र रवैया अपना रखा है। इस बीच, इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सरकारी कर्मचारियों से सोमवार से काम पर नहीं आने का आग्रह किया है। आदिवासी संगठन ने हेड कांस्टेबल सियामलालपॉल के निलंबन को रद्द करने और पुलिस अधीक्षक शिवानंद सुर्वे और उपायुक्त धारुन कुमार को तत्काल बदलने की अपनी मांग पर जोर देने का आह्वान किया है।

दुष्कर्म पीड़िता ने जज पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

अगरतला। त्रिपुरा की एक दुष्कर्म पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक जज ने अदालत के चैंबर के अंदर उसका यौन उत्पीड़न किया। महिला ने कमालपुर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश को अपनी शिकायत दी है। शिकायत में महिला ने कहा, मैं 16 फरवरी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के कक्ष में गई थी। जब मैं अपना बयान देने वाली थी तो न्यायाधीश ने मेरे साथ छेड़खानी की। मैं उनके चैंबर से बाहर निकली और वकीलों व अपने पति को घटना के बारे में बताया। महिला के पति ने इस घटना को लेकर कमालपुर बार एसोसिएशन में अलग शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है।

किसानों का पड़ाव...सुलह का इंतजार

चंडीगढ़। किसानों के आंदोलन के चलते *पंजाब के शंभूपुरा बॉर्डर के पास राजपुरा अंबाला हाईवे पर किसानों का पड़ाव जारी है। हजारों की संख्या में किसान एमएसपी सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।*

पहाड़ों में बर्फबारी-मैदानों में बारिश, अलर्ट जारी

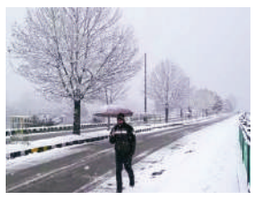

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय होना शुरू हो गया। इससे हिमालयी क्षेत्र के के ऊपरी हिस्से में बर्फबारी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार देर रात से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी इलाकों में तेज बर्फबारी शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग ने इन राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मैदानी इलाकों में मौसम विभाग की ओर से यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिन पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश समेत आंधी तूफान और ओलावृष्टि हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस दौरान मैदानी इलाकों में तापमान में बहुत कमी नहीं होगी।

मोदी के साथ भाजपा शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम की बैठक

मुख्यमंत्रियों ने पेश किए रिपोर्ट कार्ड, लोस चुनाव का एजेंडा सेट

एजेंसी | नई दिल्ली

भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर लगातार रणनीति तैयारी में जुटी है। यही वजह है कि पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर एजेंडा सेट किया।

बैठक में मुख्यमंत्रियों ने अपना-अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने चुनाव तैयारियों को लेकर अपनी रिपोर्ट पेश की। इसमें बताया गया है कि राज्यों में संगठन के स्तर पर लोकसभा चुनाव को लेकर क्या तैयारी है।

बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं, लाभार्थियों से संपर्क अभियान की प्रगति और लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अहम चर्चा की।

बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्रियों ने बताया कि पीएम मोदी के 400 पार के नारे को पूरा करने को लेकर वो तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को अपने-अपने राज्यों में पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मोदी बोले- मैं बोल चुका... अब मुझे आप लोगों को सुनना है

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने शुरुआत में ही यह कह दिया कि उन्हें जो बोलना था, वो राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन संबोधन में बोल चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में पीएम मोदी का ज्यादा फोकस मुख्यमंत्रियों की बातें सुनने पर ही रहा।

किन-किन मुद्दों पर हुई बात

- राज्यों में संगठनिक स्तर पर चुनावी तैयारियां के बारे में बताया।
- अपने-अपने राज्यों के विकास कार्यों को पीएम के सामने रखा।
- त्रिपुरा के सीएम ने बताया कि शिकायत निवारण के लिए सरकार ने एक एप्प तैयार किया है।
- गांव चलों अभियान को लेकर रिपोर्ट पेश
- एक दो सीएम से पीएम ने सवाल भी पूछा।

विमानन ब्यूरो ने जारी किया आदेश

विमान की लैंडिंग के 30 मिनट में मिलेगा यात्रियों को सामान

एजेंसी | नई दिल्ली

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने एयरलाइन कंपनियों को सामान प्रबंधन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया है और कहा है कि परिचालन, प्रबंधन और आपूर्ति करार (ओएमडीए) के तहत एयरलाइन को यात्रियों का सामान उड़ान की लैंडिंग के आधे घंटे के अंदर देना होगा।

आदेश के मुताबिक, विमान का इंजन बंद होने के 10 मिनट के अंदर पहला बैग बैगेज (यात्री सामान) बेल्ट पर पहुंचना चाहिए और आखिरी बैग 30 मिनट के भीतर पहुंचना चाहिए। एयरलाइंस को बीसीएएस ने 16 फरवरी, 2024 को सात एयरलाइंस - एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, स्पाइसजेट, विस्तारा, एयर इंडिया एक्स कनेक्ट और एयर इंडिया एक्सप्रेस को पत्र जारी कर समय पर सामान की डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बीसीएएस ने यह निर्देश सोशल मीडिया और अन्य विंडो के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के बाद जारी किया।

रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि बीसीएएस ने एयरलाइंस से सामान की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए 26 फरवरी तक आवश्यक उपाय लागू करने को कहा है।

आतंकियों को मदद: पाकिस्तान का नया पैंतरा

POK में बढ़ा संचार टावरों का जाल

एजेंसी | जम्मू

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में (पीओके) में नियंत्रण रेखा के पास हाल के दिनों में दूरसंचार टावरों की संख्या में वृद्धि हुई है। अधिकारियों का कहना है कि इन टावरों के चलते भारतीय सीमा के अंदर आतंकियों को घुसपैठ करने में मदद मिलती है। अधिकारियों ने पीर पंजाल में घुसपैठ की कोशिशों और हाल के आतंकी हमलों के पैटर्न के अध्ययन के बाद कहा कि आतंकी संगठन ज्यादातर एन्क्रिप्टेड वाईएसएमएस (YSMS) सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं। वाईएसएमएस एक

ऐसी तकनीक है, जिससे स्मार्ट फोन और रेडियो सेट को मर्ज कर गुप्त संदेश भेजे जा सकते हैं। इन संदेशों को पकड़ (डिकोड) पाना आसान नहीं रहता है। अधिकारियों ने कहा कि इन क्षेत्रों में हाल ही हुई घुसपैठ और आतंकी हमलों के पैटर्न के अध्ययन के बाद यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीकॉम सिग्नल से जुड़ा यह प्रोजेक्ट पाकिस्तानी सेना का मेजर जनरल रैंक का अधिकारी संभाल रहा है। वह पहले पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के लिए काम करते थे।

इस तकनीक की मदद से पीओके में आतंकी संगठन का हैंडलर एलओसी के पार इस्तेमाल होने वाले टेलीकॉम नेटवर्क पर जम्मू संभाग में घुसपैठ करने वाले समूह और उसकी रिसेप्शन पार्टी से जुड़ा होता है। ऐसा सेना या बीएसएफ के जवानों से बचने के लिए जाता है।

महत्वाकांक्षी योजना: चंद्रयान-4 पर शुरू होगा काम

अब चांद से मिट्टी लाने की तैयारी में इसरो

एजेंसी | पुणे

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने अगले प्रोजेक्ट चंद्रयान-4 की तैयारी में जुट गया है। इस मिशन का लक्ष्य चंद्रमा से मिट्टी के नमूने वापस लाना है। यह भारत को अंतरिक्ष खोजों में अगली कतार के देशों में शामिल कर देगा। पुणे में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के 62वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश देसाई ने कहा कि इस मिशन में लैंडिंग चंद्रयान-3 के समान

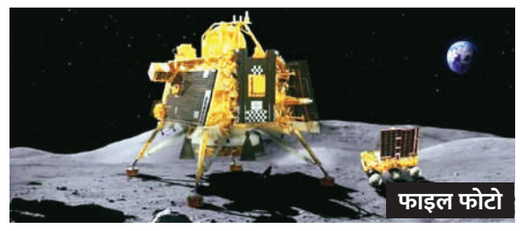
फाइल फोटो

ही होगी। देसाई ने कहा कि चंद्रयान-4 का केंद्रीय मॉड्यूल चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले मॉड्यूल के साथ उतरने के बाद वापस आ जाएगा। जो बाद में पृथ्वी के वायुमंडल के पास अलग हो जाएगा। इसके साथ ही लगा पुनः प्रवेश मॉड्यूल चंद्रमा की चट्टान और मिट्टी के नमूने के साथ वापस आ जाएगा। यह एक बहुत ही महत्वाकांक्षी मिशन है। उम्मीद है कि अगले पांच से सात साल में हम चंद्रमा की सतह से नमूना लाने की इस चुनौती को पूरा कर लेंगे। यह मिशन चंद्रयान-3 की तुलना में अधिक जटिल होने की उम्मीद है। ज्ञात रहे कि इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने शनिवार को इनसैट-3डीएस उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद कहा था कि इसरो भविष्य में चंद्रयान-4, 5, 6 और 7 मिशन भेजना चाहता है। सोमनाथ ने कहा, हम इस पर काम कर रहे हैं कि चंद्रयान-4 अंतरिक्ष यान में क्या-क्या होना चाहिए। पहला सवाल यह है कि चंद्रयान-4 में उपकरण के तौर पर क्या-क्या होना चाहिए। इसरो चीफ ने कहा, 'पहली चीज हमने यह तय की कि चंद्रयान-4 के जरिए चंद्रमा की मिट्टी का सैंपल पृथ्वी पर लाया जाए।

संयुक्त नौसैन्य अभ्यास मिलन आज से

50 देशों की नौसेना दिखाएंगी ताकत, लहरों पर गरजेंगे अनेक जहाज

एजेंसी | विशाखापत्तनम

भारतीय नौसेना की मेजबानी में बहुपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'मिलन' का 12वां संस्करण 19 से 27 फरवरी तक विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक देशों की भागीदारी होगी। इस युद्धाभ्यास के लिए मंच तैयार हो चुका है जो अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास होने वाला है। इस बीच, कई देशों की नौसेना विशाखापत्तनम पहुंच गई हैं। रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी का एन्जैक-क्लास फ्रिगेट एचएमएएस वाररामुंगा रविवार को विशाखापत्तनम पहुंचा। इससे

पहले, पूर्वी नौसेना कमान ने वियतनाम पीपुल्स नेवील के कॉर्वेट-20 और ब्रिटेन की नेवी के यूएसएस हैल्सी का भी स्वागत किया था। ज्ञात रहे कि मिलन एक बहुपक्षीय युद्ध नौसैनिक अभ्यास है, जिसे 1995 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य समुद्री जहाजों

के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटना है।

संयुक्त अभ्यास के जरिए देशों के बीच तालमेल बिठाना है। इस अभ्यास का विषय 'सुरक्षित समुद्री भविष्य के लिए नौसेना गठबंधन बनाना' है।

आईएनएस विक्रांत-विक्रमादित्य होंगे शामिल

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना अगले दस दिनों में पश्चिमी तट पर अपने दोनों विमान वाहक के बेड़े को शामिल करते हुए बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने जा रही है। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रमादित्य और भारत में निर्मित आईएनएस विक्रांत समेत दोनों विमान वाहक पोत 'अभ्यास मिलान' के दौरान विशाखापत्तनम में मौजूद रहेंगे।

अमेरिका के साथ ड्रोन समझौते पर जल्द होंगे हस्ताक्षर

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने रविवार ने कहा कि अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर सशस्त्र ड्रोन खरीदने को लेकर समझौता अंतिम चरण में है। ड्रोन की खरीद के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भी मंजूरी दे दी है। अगले कुछ महीनों में इस सौदे पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ज्ञात रहे कि अमेरिका ने 3.99 अरब डॉलर की अनुमानित लागत पर भारत को 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की बिक्री को पिछले सप्ताह मंजूरी दी थी। जानकारी के मुताबिक, 31 में से 15 सी- गार्जियन ड्रोन नौसेना को मिलेंगे जबकि 8 थल सेना और 8 वायु सेना को दिए जाएंगे। इस सौदे के तहत ऑपरेशन के लिए आवश्यक हथियार और अन्य उपकरण शामिल होंगे।

नौसेना की ओर से जारी हैं दो ऑपरेशन

एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा, 'हम फिलहाल दो अभियान चला रहे हैं। एक एंटी-पायरेसी ऑपरेशन और दूसरा एंटी-ड्रोन ऑपरेशन है। इसलिए एंटी-ड्रोन ऑपरेशन में, हम अपने मर्चेंट शिप का समर्थन कर रहे हैं। यानी न केवल भारतीय ध्वज वाले व्यापारी पोत, बल्कि किसी अन्य ध्वज वाले जहाज भी जो संकट में हैं, उनकी मदद करने और बंदरगाह तक सुरक्षित पहुंचने में उनकी सहायता करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'दूसरा ऑपरेशन, जो चल रहा है वो एंटी-पायरेसी ऑपरेशन है।

गुलाबी नगरी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन का शुभारंभ

अयोध्या, मथुरा और काशी हिंदू स्वाभिमान के प्रतीक

फोटो: राजेश कुमावत

बेधड़क.जयपुर। छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध गुलाबी नगरी रविवार को 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन से शोभित नजर आई। इस मौके पर मुख्य अतिथि राम मंदिर तीर्थ ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज, राम जन्मभूमि तीर्थ के अध्यक्ष महंत स्वामी नृत्य गोपाल दास महाराज के उत्तराधिकारी महामंडलेश्वर स्वामी कमलनयन दास महाराज व विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार मौजूद रहे। सन्त सम्मेलन को रेवासा धाम पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती जी महाराज, आलोक कुमार, स्वामी ब्रह्माशानन्द, स्वामी कमलनयन दास, स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती और आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से आए संतों ने संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जयपुराइट्स व अन्य एक छत के नीचे आए और सभागार को जयघोष से गुंजायमान कर दिया। सैकड़ों साधु-संतों ने 'श्री राम मंदिर झांकी है, मथुरा-काशी अभी बाकी है' के जयघोष लगाए।

सनातन धर्म सदैव सभी पंथों का सम्मान करता है

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए गोविंद गिरी महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म, सनातन धर्म सहनशील है। सभी धर्म पंथों को अपने हिसाब से जीवन यापन व पूजा पद्धति करने की आजादी देता है। हिंदू अपनी अस्मिता के प्रति अयोध्या मथुरा व काशी को अपने स्वाभिमान का प्रतीक मानता है। अयोध्या तो भगवान राम की कृपा से मिल गई अब हिंदुओं में एकता रहेगी तो मथुरा व काशी भी जल्द ही मिल जाएंगे। श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट पवन धाम व पांच खंडपीठ पीठाधीश्वर आचार्य सोमेंद्र महाराज के राष्ट्रीय संत सम्मेलन खास रहा। संत सम्मेलन में देशभर से आए संत-महात्माओं के साथ ही अमेरिका से स्वामी स्वालामंड, इंग्लैंड से राजराजेश्वर गुरुजी सहित अन्य साधु-संतों ने भाग लिया और अपने विचार रखे।

विशेष योगदान के लिए महाराज को सम्मान

कार्यक्रम में गोवा से पधारे स्वामी ब्रह्माशानंद महाराज को सनातन धर्म में विशेष योगदान के लिए आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज स्मृति प्रथम सम्मान से सम्मानित किया गया।

वुमंस की बदलती स्थिति पर चर्चा

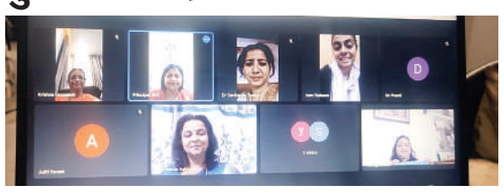

बेधड़क. जयपुर। सप्तक सोसाइटी ऑफ म्यूजिक आर्ट एंड कल्चर की इकाई ध्वनि व राइटर्स रिजर्वायर क्लब की ओर से वर्तमान में बदल रही महिलाओं की स्थिति व उससे समाज में आ रहे सकारात्मक बदलाव पर चर्चा की गई। इस मौके पर भारत के विभिन्न क्षेत्रों से शिक्षाविद, फिल्म निर्देशक, जनसंपर्क कर्मी, शोधार्थी व स्टुडेंट्स ने विचार रखे। इस मौके पर वैश्विक स्तर पर महिलाओं की स्थिति में आ रहे सकारात्मक बदलावों पर 24 लेखों के सहयोग से तैयार संपादित पुस्तक रिकंस्ट्रक्शन ऑफ विमेन आइडेंटिटी एंड इंडिविजुअलिटी का विमोचन किया गया। फिल्म निर्देशक डॉ. देव कन्या ठाकुर ने फिल्म जगत में आ रही बदलावों व महिलाओं की बदल रही स्थिति पर हो रहे नवीन प्रयोगों पर चर्चा की। कृष्णा गोस्वामी ने स्वरचित कविता से महिला शक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया व विचार साझा किए। डॉ. अलका गौर ने युवा बच्चियों को अच्छे भविष्य के लिए मोटिवेट किया।

शंकर महासचिव, प्रेम कोषाध्यक्ष बने

बेधड़क. जयपुर। चेटीचंड सिंधी मेला समिति महानगर जयपुर के कार्यालय का उद्घाटन श्रीअमरापुर दरबार के संत मोनू रामजी ने किया। इंदिरा बाजार स्थित डूंगरी हाउस में पूजा-अर्चना कर चेटीचंड पखवाड़े के कार्यक्रम की सफलता की कामना की गई। समिति अध्यक्ष अशोक सेवानी ने संत मोनू रामजी को पखर पहनाया। इस अवसर पर शंकर दुलानी को महासचिव और प्रेम कुंदनानी को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। कार्यक्रम में हरीश असरानी, हितेश आडवाणी, महेश कलवानी, जितेंद्र लखवानी, मुकेश लखयानी, अमर गुरबाणी, गोबिंद रामनानी, श्याम कोरानी, तुलसी संगतानी, राजकुमार संगतानी आदि उपस्थित रहे।

विमल एरियन अचीवर्स चैम्पियन

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान पोलो क्लब में सिरमौर कप का फाइनल मैच खेला गया। टीम विमल एरियन अचीवर्स ने टीम चांदना पोलो को कड़ी टक्कर देते हुए कप अपने नाम किया। रोमांचक मुकाबले में टीम विमल एरियन अचीवर्स ने 8-7 के स्कोर से जीत हासिल की। इस अवसर पर सवाई पद्मनाभ सिंह मुख्य अथिति थे। मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब क्रिस मैकेंजी को मिला। टीम चांदना पोलो की ओर से माटियास वायल ने 6 गोल और अंगद कलान ने 1 गोल किया।

City इवेंट्स

ब्लैक-रेड थीम पर क्लब सदस्यों ने मनाया जश्न

बेधड़क. जयपुर। अभिलाषा क्लब की ओर से बनीपार्क स्थित एक होटल में उत्सव मनाया गया। क्लब की संस्थापक स्नेह लता साबू ने बताया कि क्लब मैंबर्स ने ब्लैक-रेड थीम पर गेम्स खेले और डांस, होऊजी के साथ कई एक्टिविटीज में हिस्सा लिया। स्वाति तोतला, श्रदा काबरा, मीनाक्षी, अल्पना मुंदरा ने अलग-अलग ग्रुप बनाकर गेम प्ले कराए।

सिंगर सीमा शेयर करेंगी जर्नी

बेधड़क. जयपुर। सोमवार को राजस्थान फोरम की ओर से संवाद सत्र में गायिका सीमा मिश्रा मौजूद रहेंगी। शाम 4 बजे से आईटीसी राजपुताना होटल में होने वाले सत्र में वे अपनी जर्नी शेयर करने के साथ विशेषज्ञों के साथ बात करेंगी।

लविशा की 'द ओसियन गर्ल' लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। पिंकसिटी की ग्यारह वर्षीय लविशा की पुस्तक 'द ओसियन गर्ल' वर्ल्ड बुक फेयर में लॉन्च। पुस्तकों के उत्सव में वे संभवत: सबसे कम उम्र की लेखिका हैं। लविषा को लिखने की प्रेरणा माता-पिता चित्रकार मेनका व विशाल जैन से मिलती रही है। उन्होंने बताया कि यह फिक्शन 'द ओशन गर्ल' असाधारण भाई-बहन के बंधन की कहानी कैलिफोर्निया में रहस्यों के साथ मुख्य चरित्र और उसकी बहन को एक आकर्षक पानी के नीचे के क्षेत्र में ले जाती है। दो परियों द्वारा निर्देशित जादू के स्पर्श के साथ 'द ओशन गर्ल' कल्पना और भावना का मिश्रण है, जो पाठकों को असाधारण दुनिया में डुबो देता है।

नाहरगढ़ हाफ मैराथन में शामिल हुए जयपुराइट्स

हेल्दी लाइफ स्टाइल के लिए जयपुर के रनर्स ने लगाई दौड़

बेधड़क | जयपुर

जयपुराइट्स ने हेल्दी लाइफ स्टाइल के लिए कदम से कदम मिलाते हुए अल सुबह दौड़ लगाई तो देखने वाले भी प्रभावित हो गए। मौका था नाहरगढ़ हाफ मैराथन का, नाहरगढ़ की शान होने के साथ सम्मान की दौड़ थी। इस मौके पर धावकों ने इसे स्वच्छ नाहरगढ़ के जागरूक अभियान के रूप में लिया। रन की शुरुआत नाहरगढ़ से हुई और जयगढ़ गई। वापस जयगढ़ पर आकर समाप्त हुई। नाहरगढ़ हाफ मैराथन में 21 किलोमीटर में जयपुराइट्स दौड़े। 3 केटेगरी में रन का आयोजन हुआ। 21, 10 और 5 किलोमीटर में रन पूरी हुई। 21 किलोमीटर रन में दो लूप नाहरगढ़ से जयगढ़ हुए। मेराथन में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक ने भी 21 किलोमीटर रन पूरी की। रनर्स में टांक के अलावा भावना पारीक, प्रगति, निकिता चौधरी, कीर्ति राज, दिनेश चौधरी, निक्की, निधि, सचिन संदीप, जयदीप, भूपेंद्र सिंह ने भाग लिया। मैराथन में स्वस्थ जागरूकता का सन्देश दिया गया। अंत में सभी को मेडल देकर सम्मानित किया गया। मैराथन के दौरान रनर्स ने ग्रीन रंग लिए टी-शर्ट पहनकर ग्रीनरी और स्वच्छता का सीधा संदेश भी दिया। उन्होंने मोन्यूमेंट्स को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की। साथ ही सभी ने ग्रुप फोटो क्लिक कराकर दौड़ को अपने-अपने अंदाज में एंजॉय भी किया। दौड़ में महिला-पुरुषों से भाग लेकर हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाई।

मिनी महल पैलेस में हॉरर फिल्म की शूटिंग शुरू

कोई मिल गया फेम अनुज पंडित पिंकसिटी में बोलेंगे 'भूत आगतम'

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

पिंकसिटी के मोन्यूमेंट्स के साथ अब आस-पास भी शूटिंग लोकेशन बॉलीवुड को भा रही है, क्योंकि शहर की डीप लोकेशंस आकर्षक होने के साथ ही सुविधाजनक लगती है। ऐसा ही नजारा चौमूं रोड स्थित मिनी महल पैलेस में हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत आगतम' की शूटिंग के दौरान देखने को मिला। यहां सबसे पहले मुहूर्त शॉट लिया गया। फिल्म की लीड कास्ट सहित डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और क्रू जयपुर आए हुए हैं। डायरेक्टर यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। वर्तमान में सेट की गई इस कहानी का लिंक 300 साल पहले की कहानी से है। यह 3 दोस्तों की हॉरर कॉमेडी कहानी है।

तीनों रोड ट्रिप पर निकलते हैं और ट्रिप में उनके साथ जो भी घटनाएं होती हैं को कॉमेडी के जरिए प्रेजेंट किया गया है। मूवी में बतौर लीड आर्टिस्ट अनुज पंडित शर्मा, शहीम खान, शहजाद पठान, अंशु झारबड़े, राजकुमार कन्नोजिया काम कर रहे हैं। इस फिल्म के प्रोड्यूसर नवीन अग्रवाल, डायरेक्टर यजुवेंद्र सिंह, क्रिएटिव डायरेक्टर सारिका भूषाल, आर्ट डायरेक्टर मानस घोष, डीओपी रत्नेश कुमार और बलजीत गोस्वामी हैं।

फिल्म की शूटिंग जयपुर स्थित मिनी महल पैलेस सामोद दिल्ली रोड पर की जा रही है, जो इसी साल अक्टूबर में ओटीटी पर रिलीज की जाएगी

सनातन और बॉलीवुड का संगम | वाल्मीकि महासंगम में आए कुंती पुत्र और उमेश नाथ महाराज

महंगे शौक त्याग कर उन पैसों से बच्चों को पढ़ाएं

बेधड़क | जयपुर

मयूर नृत्य, कच्ची घोड़ी नृत्य और आतिशबाजी के साथ जयघोष और बॉलीवुड एक्टर की मौजूदगी गुलाबी नगरी में खास माहौल बना गई। सम्मान और सत्कार का सिलसिला भी चला। मौका था वाल्मिकी महासंगम का, जो बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय संत बालयोगी व सिद्ध क्षेत्र वाल्मिकी धाम उज्जैन पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज का स्वागत रोड शो के जरिए किया गया। उमेश नाथ महाराज ने महंगे मोबाइल और महंगे कपड़ों की जगह उन पैसों को बचाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का संकल्प दिलाया। महासंगम को संबोधित करते हुए कहा कि आज तुम्हारे घर कोई भोजन भी कर लेगा। झूठी रोटी भी खा लेगा, क्योंकि अब समय बदल रहा है।

कुंती पुत्र ने बटोरी तालियां

महासंगम में महाभारत के 'कुंती पुत्र अर्जुन' अभिनेता फिरोज खान मौजूद रहे। इस दौरान वे आकर्षण बने रहे। ऐसे एक्टर को अपने बीच पाकर हर उम्र के लोग उनके साथ सेल्फी लेने पहुंचे।

नगर पालिका के अलावा नौकरी देखें

महासंगम में निम्बाराम ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में समाज रहता है, लेकिन आज समाज नगरपालिका नौकरी से ऊपर क्यों नहीं जा रहा है। शिक्षा के विषय पर युवा पीढ़ी में जागृति लाने की जरूरत है। प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं है। घर का वातावरण ऐसा बनाएं कि शिक्षा के प्रति रुचि बढ़े। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी इस विषय पर जोर देते हुए कहा कि एडमिनिस्ट्रेटिव, वाइस चांसलर आईएएस और आरएएस के लिए समाज को आगे आना चाहिए। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने का काम हुआ। अब वहां पर सभी नौकरियों में समाज को समान अवसर मिलेंगे।

समाज के लिए दोहरी खुशी

कार्यक्रम संयोजक विकास नरवार ने वाल्मीकि समाज के लिए दोहरी खुशी बताई और कहा कि आज कुल गुरु का जन्मोत्सव होने के साथ साथ महाराज को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। देश की सबसे बड़ी पंचायत में समाज को पहुंचाया है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, सोमवार, 19 फरवरी, 2024

10

वक्त की पाबंदी सभ्यता की पहली निशानी है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

गाजा पर भारी बमबारी के बाद अब हमास पर इजराइल का बड़ा हमला

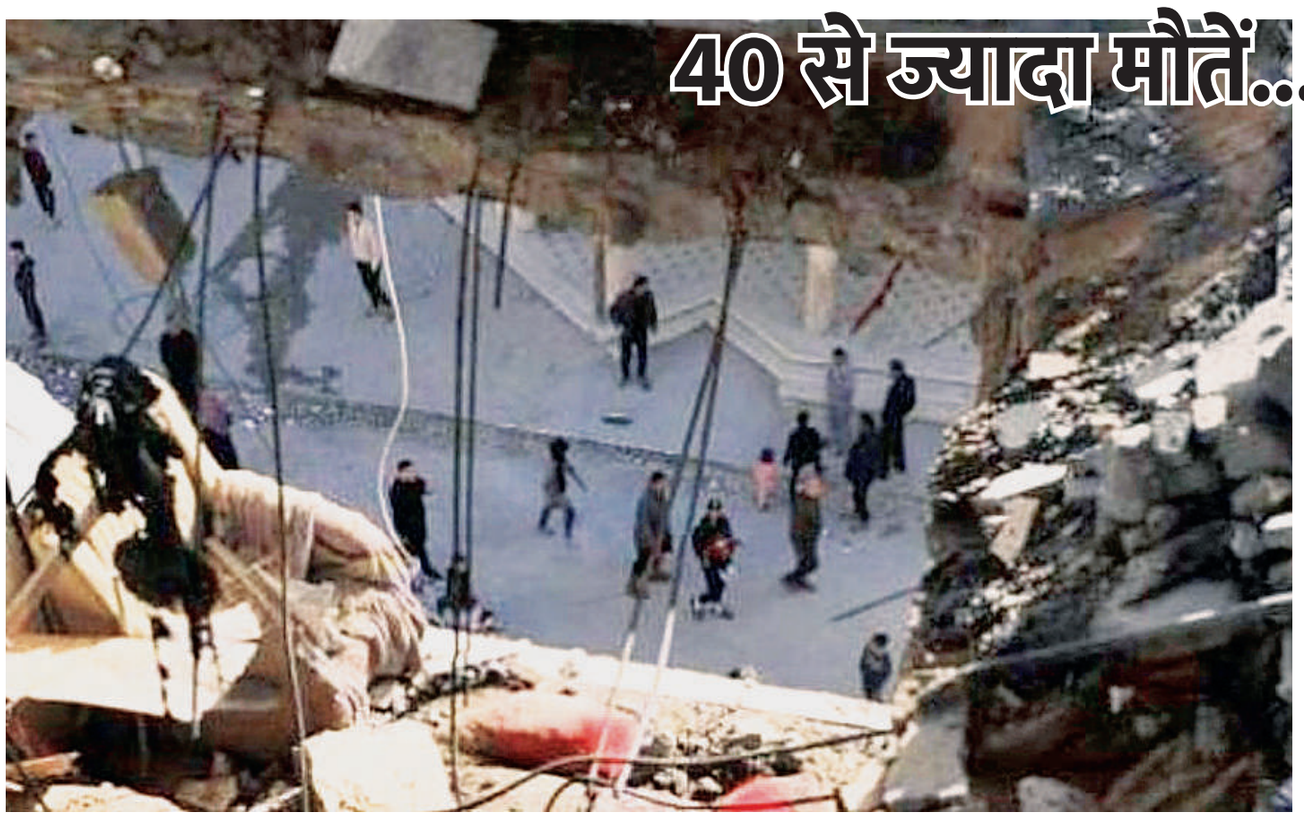

40 से ज्यादा मौतें... जहां थे वहीं बन गई कब्र

एजेंसी | तेल अवीव

जैसे-जैसे दिन गुजरते जा रहे हैं, गाजा पर इजराइल का कहर बढ़ता जा रहा है। गाजा में ताजा इजराइली हमलों में 40 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक सेंट्रल गाजा पट्टी में आवासीय घरों को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। इस हमले में कई अन्य घायल हो गए. फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने मीडिया को बताया कि इजराइली युद्धक विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में नुसीरत, अल-जवैदा और दीर अल-बलाह के क्षेत्रों में कई घरों पर हमले किए गए, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल 40 शवों को बरामद कर पाए। दर्जनों शव मलबे के नीचे दबे हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। ऐसे में घायलों को दीर अल-बाला शहर के अल-अक्सा शहीद अस्पताल में रेफर किया गया है।

एक महीने तक चलेगा ऑपरेशन राफा!

एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल हमास के खिलाफ जारी अपने अभियान के तहत ऑपरेशन राफा जल्द से जल्द पूरा करना चाहता है। लिहाजा इस युद्ध की भयावहता और हमले और तेज हो रहे हैं। दरअसल, इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को देखते हुए, इजराइल के पास राफा में अपने आगामी ऑपरेशन को पूरा करने के लिए केवल एक महीना बचा है, जिसका उद्देश्य हमास की ऑपरेटिव बटालियनों को खत्म करना है।

रमजान से पहले पूरा करना है टारगेट

मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने हाल ही में अपनी छोटी वार कैबिनेट को बताया कि गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में ऑपरेशन जल्द से जल्द खत्म करना है। यानी रमजान का पवित्र महीना, जो 10 मार्च के आसपास शुरू होता है, उससे पहले ही ऑपरेशन राफा का निर्धारित टारगेट पूरा करना है।

PML-N और PPP में नहीं बन पाई सहमति

सत्ता साझेदारी के फॉर्मूले पर आज फिर होगी मीटिंग

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद एक हफ्ते से भी ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक नई सरकार का गठन नहीं हो पाया है। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पीपीपी के बीच गठबंधन सरकार के लिए सत्ता साझेदारे के फॉर्मूले पर बातचीत बेनतीजा रही। हालांकि, दोनों पक्षों ने चर्चा में महत्वपूर्ण प्रगति का दावा किया।

दोनों दलों की समन्वय समितियों के बीच हुई तीसरी बैठक भी बेनतीजा रही। दोनों ने सत्ता साझेदारी के फॉर्मूले को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार फिर बैठक करने का फैसला किया है। बैठक के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पीएमएल-एन और पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) के एक साझा बयान में कहा गया, दोनों पक्षों की ओर से रखे गए प्रस्तावों पर चर्चा की गई और महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई। मामलों को अंतिम रूप देने के लिए आगे विचार-विमर्श की जरूरत है। पीएमएल-एन ने शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

निर्दलीयों ने जीती सबसे ज्यादा सीट

आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 265 सीट में से 93 पर जीत हासिल की है। वहीं 75 सीट पर जीत के साथ पीएमएल-एन दूसरे नंबर पर रही। जबकि, 54 सीट के साथ पीपीपी तीसरे नंबर पर रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) भी उन्हें 17 सदस्यों का समर्थन देने के लिए राजी हो गया है।

बैठक में कौन-कौन रहे शामिल

सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में 133 का आंकड़ा पार करना होगा। बैठक में पीएमएल-एन की ओर से पूर्व वित्त मंत्री इशाक डार, सरदा अयाज सादिक, आजम नजीर तरार और मलिक मुहम्मद अहमद खान ने प्रतिनिधित्व किया। जबकि, पीपीपी की ओर से सिंध के पूर्व मुख्यमंत्री मुराद अळी शाह, सईद गनी, कमर जमान कैरा, नदीम अफजल चान और नवाब सनाउल्लाह जेहरी ने भाग लिया।

पीपीपी ने शर्त के साथ समर्थन का दिया आश्वासन

इससे पहले गुरुवार को बैठक हुई थी। इस बैठक में दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने पहली बैठक में चर्चा किए गए प्रस्तावों का आकलन करने के लिए और समय मांगा था। पीपीपी ने इस शर्त पर पीएमएल-एन को सरकार गठन और अगला प्रधानमंत्री चुनने में अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया था कि बदले में उसे राष्ट्रपति सहित कई अहम संवैधानिक पद मिलेंगे। पीपीपी ने यह भी घोषणा की थी कि केंद्र में पीएमएल-एन के समर्थन के बावजूद पार्टी संघीय मंत्रिमंडल में कोई मंत्रालय नहीं लेगी।

पीटीआई समर्थकों और पुलिस के बीच हुई झड़प

वहीं, संसदीय चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पीटीआई समर्थनकों की अलग-अलग शहरों में पुलिस के साथ झड़प हो रही है। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, पीटीआई समर्थन विरोध दर्ज कराने के लिए लाहौर प्रेस क्लब और पार्टी के जेल रोड कार्यालय के बाहर एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने नारे लगाए और 'चोरी किए गए जनादेश' को बहाल करने की मांग की। उन्होंने सियासी दलों के पोलिंग एजेंट की निगरानी में मतदान केंद्रों पर तैयार किए फॉर्म 45 के अनुसार वोटो की गिनती के आधार पर सही परिणाम की मांग की।

अमेरिकी मदद नहीं मिलने से जंग हार रहे जेलेंस्की!

रूस की आर्मी का यूक्रेनी शहर पर कब्जा

एजेंसी | कीव

यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग को करीब दो साल होने को आए हैं। यूक्रेनी लड़ाके इस जंग में पश्चिम और विशेषकर अमेरिका की मदद के बूते रूस की आर्मी के सामने आग उगल रहे थे, लेकिन, अब यूक्रेन युद्ध में पिछड़ रहा है। कीव के सैन्य प्रमुख

ने भी अवदिवका शहर पर अपनी हार स्वीकार ली है। यहां पुतिन की आर्मी ने पूर्ण कब्जा हासिल कर लिया है। पुतिन इसे दो साल से चल रही जंग में महत्वपूर्ण जीत बता रहे हैं।

गत वर्ष मई में यूक्रेन के बड़े शहर बखमुत पर कब्जा करने के बाद से अवदिवका पर रूस की सबसे बड़ी जीत है। यह सब कुछ तब मुमकिन हो पाया है जब यूक्रेन गोला-बारूद की भारी कमी का सामना कर रहा है और अमेरिका की तरफ से सैन्य सहायता में देरी हो रही है। यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के लगभग दो साल बाद यह अब तक का स्पष्ट संकेत है कि पिछले साल यूक्रेनी जवाबी हमले का सामना करने में नाकाम रही रूसी सेना ने अब युद्ध को पूरी तरह से अपने पक्ष में कर लिया है।

इस साल मिशन के लिए मानवरहित उड़ानों का टेस्ट

अगले साल स्पेस में जाएंगे एस्ट्रोनॉट

■ गगनयान मिशन की तैयारी में जुटा इसरो

एजेंसी | श्रीहरिकोटा

इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने गगनयान मिशन को लेकर इस साल और अगले साल का प्लान बताया। उन्होंने बताया कि इस साल गगनयान मिशन की मानवरहित उड़ानें होंगी। कई तरह के ट्रायल्स किए जाएंगे। इसके बाद अगले साल मैन्ड मिशन किया जाएगा।

सोमनाथ ने कहा कि इस मिशन को लेकर बहुत सारे वैज्ञानिक कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कई तरह की टेस्टिंग की जा रही है। इस साल दो टेस्ट व्हीकल उड़ानें होंगे। इसकी तैयारियां चल रही हैं। अगला टेस्ट व्हीकल उड़ान के लिए लगभग तैयार है।

हम जल्द ही उसे श्रीहरिकोटा शिफ्ट करेंगे। संभवतः अगले महीने यह काम हो जाएगा। अगले दो महीने के अंदर गगनयान के मानवरहित उड़ान को पूरा किया जाएगा। डॉ. सोमनाथ ने बताया कि क्रूड मॉड्यूल की तैयारियों में थोड़ा समय लग रहा है। उस पर काम किया जा रहा है। हमें अभी कई हेलिकॉप्टर ड्रॉप टेस्ट भी करने हैं।

अन्य तकनीकों का विकास

इसरो प्रमुख ने कहा अन्य तकनीकों पर काम किया जा रहा है। इसमें व्योमित्र के शरीर में होने वाले बदलावों की स्टडी की जाएगी, क्योंकि इसमें वो बेसिक तकनीक डाली गई है, जो इंसानों को अंतरिक्ष में होने वाले असर के बारे में बताएंगे। इस दौरान इसरो मिशन कंट्रोल, कम्यूनिकेशन नेटवर्क और जरूरी लॉन्च कॉम्प्लेक्स फैसिलिटी भी बनाता रहेगा।

एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग प्रोग्राम

लाइफ सपोर्ट सिस्टम को लेकर कई तरह के पर्यावरणीय परीक्षण किए जाएंगे। एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग प्रोग्राम चल रहा है। इस समय गगनयान मिशन को लेकर बहुत सारा काम चल रहा है। उम्मीद है कि इस साल के अंत तक सारे टेस्ट, ट्रायल्स सब पूरे हो जाएंगे। इससे पहले भी इसरो ने यह कहा था कि इस साल गगनयान की कम से कम एक मानवरहित उड़ान जरूर करेगा। वह भी जून महीने से पहले। इसके अलावा एक स्वतंत्र एबॉर्ट टेस्ट होगा, वह भी स्पेशल टेस्ट व्हीकल से। यानी नए रॉकेट से। इसके होने की संभावना अक्टूबर के महीने में है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl